04 - धर्म-संस्कृति का महाकुंभ हम सबकी जिम्मेदारी

05 - बजट 2025: शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य केंद्रित हो?

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 31 जनवरी, 2025

06 - गंभीर चोटे आने पर पुलिस ने घायल को अस्पताल में कराया था भर्ती

07 - भारत का खोया हुआ भाई लगता है जापान : मुख्यमंत्री

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-151 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत में रक्षा खरीद की समय सीमा तय करना बेहद जरूरी

मनोज नरवणे

भारत के 77वें सेना दिवस पर सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 2025 को 'सुधारों का वर्ष' के रूप में मनाने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की योजनाओं को रेखांकित किया। इस पहल के तहत सेना ने उन पांच प्रमुख क्षेत्रों ('की रिजल्ट एरियाज़', 'केआरए') की पहचान की है जिनमें नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। ये क्षेत्र हैं - संयुक्त एवं एकजुट कार्रवाई; सेना का पुनर्गठन; आधुनिकीकरण एवं टेक्नोलॉजी का समावेश; सिस्टम्स और प्रक्रियाएं और मानव संसाधन प्रबंधन। इस मौके पर एक स्थान पर भाषण देते हुए रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि भू-राजनीतिक परिदृश्य जिस तरह बदल रहा है उसके मद्देनज़र मौजूदा और भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए तेजी से आधुनिकीकरण करना बहुत ज़रूरी है।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण 'केआरए' है- आधुनिकीकरण एवं टेक्नोलॉजी का समावेश, क्योंकि इसमें पूंजी की ज़रूरत है और पूंजी खर्च के असंख्य नियम और उप-नियम बने हुए हैं। इनमें सबसे पहला है 'डिफेंस एक्विजीशन प्रोसीजर' (डीएपी) 2020'। 'डीएपी 2020' करीब 700 पेज का विशाल ग्रंथ है जिसे पढ़ पाना मुश्किल है और समझना उससे भी ज्यादा मुश्किल है। यह 400 पेज वाले 'डीएपी 2015' की जगह आया है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह कबूल करते हैं कि इस नीति में कमियां हैं। वे बताते हैं कि अगले छह महीने या एक साल के अंदर 'डीएपी' को पूरी तरह बदल दिया जाएगा, ताकि उस व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके जिसे देरी और कार्यकुशलता में कमी के लिए दोषी ठहराया जाता है।

सेना कोई भी हो, उसमें पुराने पड़ चुके और अत्याधुनिक हथियार तथा साजोसामान साथ-साथ मौजूद होते ही हैं। इनका अनुपात इस तरह होता है- 30 फीसदी हथियार तथा साजोसामान सबसे नए, 40 फीसदी चालू हाल में, और 30 फीसदी ऐसे जो अपनी उपयोगिता खोने के कगार पर पहुंच रहे होते हैं। अत्याधुनिक हथियारों का अनुपात जैसे-जैसे बढ़ता है, पुराने हथियार आदि वैसे-वैसे खारिज किए जाते हैं। यह अनुपात साजोसामान और टेक्नोलॉजी की उपयोगिता के मामले में भी देखा जा सकते है।

टैंक या तोप जैसे प्लेटफॉर्म का जीवनकाल 30-40 साल लंबा हो सकता है, लेकिन संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के सिस्टम को करीब हर दस साल पर बदलना पड़ सकता है, लेकिन नया सिस्टम समय पर नहीं लाया जाता तो यह अनुपात बिगड़ सकता है। भारत में खरीद की लंबी और जटिल प्रक्रिया के चलते यह अनुपात 15:50:35 का हो गया है।

खरीद की लंबी प्रक्रिया के दूसरे परिणाम भी मिलते हैं। किसी सिस्टम को जब तक अपनाया जाता है तब तक उसकी टेक्नोलॉजी पुरानी पड़ चुकी होती है, भले ही वह बिल्कुल नया क्यों न हो। रक्षा खरीद काउंसिल किसी नए प्लेटफॉर्म की ज़रूरत को मंजूरी देने का जब 'एओएन' जारी करती है और उसे जब शामिल किया जाता है इन दो प्रक्रियाओं के बीच फिलहाल दस साल तक का समय लगता है। वह प्लेटफॉर्म नया हो सकता है मगर उसे किसी भी तरह अत्याधुनिक नहीं कहा जा सकता। इसलिए वक्त की मांग है कि खरीद की प्रक्रिया कम समय में पूरी की जाए ताकि नयी सिस्टम जब समय के तालमेल में हो तभी उसे सेवा में लगाया जा सके।

'एओएन' प्रारंभिक मंजूरी है और खरीद प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होती है जिनमें विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाना, वित्तीय मंजूरियां हासिल करना, और प्रतिर्स्पद्धी बोली लगवाना शामिल है और पेंच इसी में है। हरेक कदम पर मंजूरी ज़रूरी है और हरेक चरण की रक्षा मंत्रालय के अंदर ही विभिन्न शाखाओं द्वारा कई स्तरों पर जांच ज़रूरी है। हर एक शाखा हर एक प्रस्ताव की 'डीएपी' में दर्ज शर्तों के आधार पर जांच करती है और इसमें कोई कोताही नहीं बरती जा सकती। इस वजह से पूरी प्रक्रिया बिल्कुल सख्त बन जाती है। इस सबका परिणाम यह होता है कि हर एक 'एओएन' के आधार पर करारनामे पर दस्तखत हो जाए और सप्लाइ के ऑर्डर जारी कर दिए जाएं यह ज़रूरी नहीं है।

उदाहरण के लिए दिसंबर 2022 में, 'डिफेंस एक्विजीशन काउंसिल' ने 84,328 करोड़ रुपये मूल्य के 24 कैपिटल एक्विजीशन के प्रस्ताव के लिए 'एओएन' जारी किए। कागज़ पर तो यह बहुत अच्छा नज़र आता है, लेकिन कितने 'एओएन' करारनामों में परिवर्तित हुए इसकी दर पर गौर करना बाकी है। केवल 'एओएन' जारी किए जाने से सुरक्षा या उपलब्धि का झूठा संतोष नहीं होना चाहिए। असली बात तो यह है कि असली उपभोक्ता थल सेना, वायु सेना, नौसेना के पास सामान पहुंचे या नहीं।

ताज़ा रिपोर्टों से पता चलता है कि यह वित्त वर्ष समाप्त होने से पहले कुछ बड़े सौदों पर दस्तखत होंगे, जिनमें 'एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटग्स)' की खरीद शामिल है। अगर यह सौदा हो जाता है तो इसके 18 महीने बाद से डिलीवरी शुरू हो जाएगी। 'एओएन' जारी होने और डिलीवरी के बीच 10 साल का समय तो लग ही जाएगा।

राफेल विमानों के मामले में भी ऐसा ही हुआ था।

रक्षा मंत्रालय ने इन विमानों की खरीद की मंजूरी 2012 में ही दी थी, जबकि इसके लिए 'एओएन' इससे काफी पहले जारी किया गया था, लेकिन यह सौदा विवादों में उलझ गया और काफी उथल-पुथल के बाद दो देशों की सरकारों के बीच इन 36 विमानों के सौदे पर दस्तखत 2015 में किए गए, जबकि कई भूमिकाएं निभाने वाले ये लड़ाकू विमान 126 की तादाद में चाहिए थे। इसमें एक तरह से 'डीएपी' की अनदेखी की गई। अंततः करारनामे पर 2016 में दस्तखत किए गए और भारत के आकाश में राफेल विमान ने 2022 में पहली उड़ान भरी जबकि कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लागू था। 2007 में 'एओएन' जारी होने के बाद डिलीवरी 2020 में हुई यानी 13 साल लग गए।

अगर वास्तव में इसे 'सुधारों का साल' बनाना है, तो सबसे पहला तथा सबसे बड़ा कदम होगा खरीद प्रक्रिया को बदलने का। इसे न केवल सरल बनाना होगा बल्कि सेना मुख्यालय को कहीं ज्यादा अधिकार सौंपने होंगे ताकि विभिन्न स्तरों पर जांच के बिना खरीद में तेज़ी लाई जा सके, जैसा कि सेनाओं को खरीद के आपात अधिकार देने के समय किया गया था। तब, सभी औपचारिकताओं का सावधानी से पालन करने के बाद भी 24 महीने के अंदर करारनामे पर दस्तखत भी हुए और डिलीवरी भी हासिल हुई थी। सामान को, सामान हासिल करने की प्रक्रिया से ज्यादा तरजीह देनी ही पड़ेगी।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

'लोकरंग' में लेबनान के कलाकारों ने मनमोहक बेली नृत्य पेश किया। फोटो- प्रवीण वाजपेयी

महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि

पीएम मोदी ने राजघाट जाकर दी राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि

- राहुल ने लिखा-गांधी जी व्यक्ति नहीं, भारत की आत्मा हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गुरुवार को 77वीं पुण्यतिथि थी। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी समेत सभी बड़े नेताओं ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- पूज्य बापू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि। उनके आदर्श हमें एक विकसित भारत बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं देश के लिए शहीद हुए सभी लोगों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनकी सेवा और बलिदान को याद करता हूं। राहुल गांधी ने लिखा- गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। खड़गे ने लिखा- बापू को श्रद्धांजलि, वे हमारे राष्ट्र के मार्गदर्शक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा- शहीद दिवस पर हम बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वे हमारे राष्ट्र के मार्गदर्शक रहे। सत्य, अहिंसा और सर्वधर्म समभाव के उनके विचार हमारे मार्ग को प्रकाशित करते रहते हैं। हमें उन लोगों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जो समानता और सभी के उत्थान के उनके आदर्शों को नष्ट करना चाहते हैं।

सुप्रभात

मैं जब लिखता हूँ
पेड़
मैं हरा हो जाता हूँ
मैं जब लिखता हूँ
नदी
मुझमें रस की धार
बहने लगती है
मैं जब लिखता हूँ
पहाड़
मुश्किलें मुझसे टकरा कर
बेदम हो जाती हैं
मैं जब लिखता हूँ
हवा
मेरी साँसें महकने लगती हैं
मैं जब लिखता हूँ
कविता
मैं कविता बन जाता हूँ ।

-दुर्गाप्रसाद झाला

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में बीजेपी की बल्ले-बल्ले

- क्रॉस वोटिंग में बीजेपी उम्मीदवार हरप्रीत बाबला जीतीं
- 16 पार्षद थे,19 वोट मिले,तीन ने कर दी क्रॉस वोटिंग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ नगर निगम में बीजेपी की हरप्रीत बबला नई मेयर बन गई हैं। उन्होंने क्रॉस वोटिंग के बाद 2 वोटों से चुनाव जीता। भाजपा उम्मीदवार को 19 वोट मिले। वहीं, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन की उम्मीदवार प्रेम लता को 17 वोट मिले। मेयर चुनाव में भाजपा के पास सिर्फ 16 पार्षदों का समर्थन था। वहीं,एएपी के 13 और कांग्रेस के 6 के अलावा एक सांसद मनीष तिवारी समेत 20 वोट थे।,एएपी+कांग्रेस गठबंधन के पास पूर्ण बहुमत था। इसके बावजूद उनकी उम्मीदवार हार गई।

जापान दौरे का तीसरा दिन

औद्योगिक विकास के लिये हरसंभव सहायता देने सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ऊर्जा भण्डारण और सस्टेनेबल बैटरी निर्माण के लिए पीथमपुर इकाई के विस्तार का दिया प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पैनासोनिक एनर्जी से अपेक्षाएँ जताईं कि वह राज्य में अपनी स्किल प्रदेश की औद्योगिक नीति और पैनासोनिक एनर्जी के लिए विशेष वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इससे पैनासोनिक को मध्यप्रदेश में और अधिक निवेश करने के अवसर मिल सकते हैं।

बैठक में पैनासोनिक एनर्जी के अधिकारियों ने अपनी कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पैनासोनिक ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा भंडारण और बैटरी निर्माण

मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन...मार्ग वन-वे

भगदड़ के बाद 4 फरवरी तक नहीं होगी वीआईपी एंट्री

- कुंभ मेले में आने-जाने के लिए रास्ते किए गए अलग
- डीजीपी और पीएस मेला क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में बुधवार को हुई भगदड़ के बाद गुरुवार को भीड़ कम है। मेले में आने-जाने के रास्ते अलग कर दिए गए हैं। प्रयागराज शहर में गाड़ियों की एंट्री पर रोक है। मेला क्षेत्र को पूरी तरह से नो-व्हीकल जोन घोषित

कर दिया है। यानी यहां किसी भी गाड़ी की एंट्री नहीं होगी। इसके अलावा,वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। यह नियम 4 फरवरी तक लागू रहेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि मैं पीड़ितों से मिलने नहीं जाऊंगा। अगर मैं मिलने गया तो भाजपा राजनीति करने का आरोप लगा देगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मेला क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। वह उस जगह पर मौजूद हैं, जहां 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर भगदड़ मची थी। दोपहर 12 बजे तक 1.15 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। मौनी अमावस्या पर मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को भगदड़ मच गई थी। हादसे में 35 से 40 मौतें हो गईं। सरकार की ओर से अब तक 30 मौतों की पुष्टि की गई है। वहीं, 60 घायल हुए हैं।

महाकुंभ में फिर लगी आग, कई पंडाल जले

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ मेला में भगदड़ के एक दिन बाद गुरुवार को आग लग गई। मेला क्षेत्र के सेक्टर- 22 में कई पंडाल जल गए। फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई है। आग पर काबू पा लिया गया है। जहां आग लगी है, वहां पब्लिक नहीं थी, इसलिए जनहानि की सूचना नहीं है। सीनियर अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं। हालांकि, आग किस वजह से लगी। अभी तक क्लियर नहीं हो पाया है। बुधवार यानी कल मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ मची थी। इसमें 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। प्रशासन ने 30 मौतें स्वीकार की थी। महाकुंभ के मेला क्षेत्र में 19 जनवरी को शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई थी। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी थी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के अनुसार, गीता प्रेस की रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय गैस लीक होने के कारण आग लगी थी। आग लगने से रसोई में रखे 2 गैस सिलेंडर ब्लास्ट हुए थे। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई थी। इस बार आग छतनाग घाट नागेश्वर घाट सेक्टर 22 के पास टेंट सिटी में लगी है। झूंसी की तरफ छतनाग के पास मेला के किनारे यह घाट है। प्राइवेट कंपनी की ओर से लगाए गए वैदिक टेंट सिटी में आग लगी है। अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

डेवलपमेंट पहल को बढ़ावा दे, ताकि प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी को ऊर्जा भण्डारण और सस्टेनेबल बैटरी निर्माण के लिए पीथमपुर में अपनी इकाई का विस्तार करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने प्रदेश में रिसर्च और डेवलपमेंट केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया। इससे प्रदेश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वृद्धि हो सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी जापान यात्रा के तीसरे दिन पैनासोनिक एनर्जी कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में पैनासोनिक के अधिकारियों से मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में नई यूनिट्स स्थापित करने पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्र में निवेश करने की अपनी रुचि दर्शाते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

जीआईएस के लिये किये आमंत्रित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पैनासोनिक एनर्जी को आगामी 24-25 फरवरी 2025 को भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आमंत्रित किया, जिससे वे राज्य में निवेश के नए अवसरों पर विचार कर सकें और मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को और बेहतर समझ सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पैनासोनिक एनर्जी के प्रतिनिधियों को प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों जैसे सांची का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में एक दीर्घकालिक और मजबूत साझेदारी की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई और उन्हें राज्य में हर संभव सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार,31 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

जब वक्फ बोर्ड 'मातोश्री' पर दावा करेगा,तो वह समझ जाएंगे

बीजेपी के मंत्री ने उद्धव ठाकरे को बता दिया ओवैसी का 'भाई'

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश राणे एक बार फिर से अपने बयान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने शिवसेना यूबीटी के मुखिया उद्धव ठाकरे को एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी का भाई बताया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि जब वह मातोश्री पर वक्फ दावा करेगा उसके बाद में ही उनको समझ

में आएगा। उन्होंने भारत में रह रहे रोहिंग्याओं और मुसलमानों की मौजूदगी पर भी सवाल खड़े किए। राणे ने कहा कि अवैध प्रवासियों को भारत में रहने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं का यहां रहना एक बड़ी सुरक्षा चिंता का विषय है। यह हमारे समाज का इस्लामीकरण करने का प्रयास है। पिछले अनुभव से पता चलता है कि यह मुंबई और देश के लिए एक गंभीर खतरा है। यह शहर या राज्य पर नियंत्रण करने का प्रयास है।' उन्होंने कहा कि मंगल प्रभात और किरीट सोमैया समेत बीजेपी के नेता मुंबई के हितों की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं।

रिटायरमेंट के बाद भी जज सुना सकेंगे फैसले

- सुप्रीम कोर्ट ने दी एडहॉक पर रखने की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर के हाई कोर्ट में लंबित पड़े आपराधिक मामलों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम कदम उठाया है। जिसके मद्देनजर अब सभी हाई कोर्ट को यह अधिकार मिल गया है कि वे सेवानिवृत्त जजों को एडहॉक (अस्थायी) जज के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश कर सकते हैं। इससे पहले, अप्रैल 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में कहा था कि सिर्फ उन्हीं हाई

कोर्ट में एडहॉक जजों की नियुक्ति की जा सकती है जहां रिक्तियों की संख्या 20 फीसदी से कम हो लेकिन अब मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने इस शर्त को हटाते हुए उस आदेश के प्रभाव को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। इस खास पहल से हाई कोर्ट में लंबित पड़े आपराधिक मामलों की संख्या को कम किया जा सकता है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने लोक प्रहरी बनाम भारत सरकार मामले में फैसला सुनाते हुए पहली बार हाई कोर्ट में एडहॉक जजों की नियुक्ति की अनुमति दी थी।

महीनों से न बैठी और न लेटी पैदल चलना भी भूल गई

अंतरिक्ष में फंसीं सुनीता विलियम्स का है बहुत बुरा हाल

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स पिछले सात महीनों से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसी हुई हैं। वह जून 2023 में अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर के साथ आठ दिन के लिए आईएसएस पहुंची थीं, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण उनकी वापसी टलती चली गई। नासा और एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स लगातार दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित

वापसी के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस बीच सुनीता विलियम्स ने बताया कि वह किन परेशानियों का सामना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वो महीनों से न चली हैं, न बैठी हैं और न लेटी हैं। उन्होंने कहा कि मुझे याद भी नहीं कि चलते कैसे हैं। 59 वर्षीय सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विलमोर को बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल की तकनीकी खराबी के चलते अंतरिक्ष में ही रुकना पड़ा, क्योंकि कैप्सूल बिना उन्हें लिए पृथ्वी पर लौट आया। नासा ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से उनकी वापसी के लिए मदद मांगी है। स्पेस पर इतने महीनों से फंसी सुनीता विलियम्स ने हाल ही में स्कूल के छात्रों से बात की है।

बजट सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

- 31 जनवरी को जॉइंट सेशन में राष्ट्रपति का अभिभाषण,1 फरवरी को पेश होगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र से पहले गुरुवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। यह बैठक संसद के एनेक्सी में आयोजित की गई।

मीटिंग में आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्र सरकार सभी दलों के साथ चर्चा की गई। संसद के बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को पार्लियामेंट के जॉइंट सेशन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी और फिर अगले दिन 1 फरवरी को आम बजट पेश किया जाएगा। सोमवार से लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा शुरू हो जाएगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने विपक्षी नेताओं से अपील की कि वे संसद सत्र के दौरान सहयोग करें ताकि सदन में सुचारू रूप से चर्चा हो सके। बजट सत्र दो चरणों में होगा। पहला चरण 31 जनवरी से 13 फरवरी तक चलेगा। इसमें नौ बैठकें होंगी। पीएम मोदी छह फरवरी को राज्यसभा में बहस का जवाब दे सकते हैं। इसके बाद दोनों सदन 13 फरवरी तक स्थगित हो जाएंगे। सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च को शुरू होगा जो 4 अप्रैल 2025 तक चलेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें घट सकती हैं।

ईसी बोला,केजरीवाल यमुना नदी में जहर होने का सबूत दें

केजरीवाल बोले-चुनाव आयुक्त राजनीति कर रहे,दिल्ली से चुनाव क्यों नहीं लड़ लेते

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच यमुना के पानी को लेकर अरविंद केजरीवाल और चुनाव आयोग के बीच गुरुवार को जमकर बयानबाजी हुई। चुनाव आयोग ने केजरीवाल

को चिट्ठी लिखी और 5 सवाल किए। आयोग ने पूछा- यमुना के पानी में किस जगह जहर मिला, सबूत दें। अमोनिया के बढ़ते लेवल के मुद्दे को जहर आदि के आरोपों से मिलाए बिना 31 जनवरी सुबह 11 बजे तक जवाब दें, वर्ना कार्रवाई की जाएगी। इस पर अरविंद केजरीवाल ने कहा- दिल्ली में खुलेआम पैसे और चादरें बांटी जा रही हैं।

हनीप्रीत को डेरे की फुल पॉवर देगा राम रहीम

पावर ऑफ अटॉर्नी देने की तैयारी,डेरा मुखी के सिरसा आने ही यही बड़ी वजह

सिरसा (एजेंसी)। राम रहीम के डेरा सच्चा सौदा के साढ़े 7 साल बाद सिरसा स्थित हेडक्वार्टर आने की बड़ी वजह सामने आई है। डेरे के टॉप सोर्सेज के मुताबिक राम रहीम डेरे की गद्दी को लेकर चल रहे विवाद के निपटारे के लिए यहां पहुंचा है। यह विवाद पहले राम रहीम के परिवार और मुख्य शिष्या हनीप्रीत के बीच चल रहा था। जिसके बाद परिवार विदेश चला गया। अब हनीप्रीत और डेरा मैनेजमेंट कमेटी के बीच विवाद चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक विवाद को खत्म करने के लिए राम रहीम अपनी मुख्य शिष्या और मुंहबोली बेटी हनीप्रीत को डेरे की पावर दे सकता है। इसके लिए डेरे के मैनेजमेंट से लेकर फाइनेंस वगैरह तक की पावर ऑफ अटॉर्नी हनीप्रीत को दी जा सकता है। हालांकि डेरा मैनेजमेंट फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। डेरे से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक डेरे की गतिविधियों को लेकर किसी बात पर तुरंत फैसला लेना होता है तो उसमें काफी परेशानी होती है।

लैंड फॉर जॉब स्कैम,पूर्व चेयरमैन पर चलेगा केस

तेजप्रताप स्वास्थ्य मंत्री बने तो मिली विभाग की जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज यानी (30 जनवरी) लैंड फॉर जॉब मामले में सुनवाई हुई। कोर्ट ने 2 अधिकारियों पर केस चलाने की मंजूरी दे दी है। इसमें एक पूर्व अधिकारी आरके महाजन हैं। महाजन लालू के रेल मंत्री रहते रेलवे बोर्ड में थे। सुनवाई के दौरान स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर डीपी सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे। एडवोकेट मनु मिश्रा फिजिकली कोर्ट के अंदर मौजूद थे।

पंजाब सीएम के दिल्ली आवास पर चुनाव आयोग की रेड

अंदर जाने से रोका गया, रिटर्निंग अफसर बोले-ऐप पर पैसे बांटने की शिकायत मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित घर कपूरथला हाउस पर गुरुवार को चुनाव आयोग की टीम तलाशी लेने पहुंची है। कपूरथला हाउस के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात हैं। टीम को फिलहाल अंदर जाने से रोक दिया गया है। मान के घर पहुंचे रिटर्निंग ऑफिसर ओपी पांडे ने कहा, हमें पैसे बांटने की शिकायत मिली है। हमें 100 मिनट में शिकायत का निपटारा करना है। हमारी फ्लाइंग स्क्वॉयड टीम यहां आई थी, जिसे अंदर नहीं जाने दिया गया। मैं उनसे अनुरोध करने आया हूं कि हमें एक कैमरापर्सन के साथ अंदर जाने दिया जाए। पैसे बांटने की शिकायत ईसी के ऐप पर मिली थी। रेड पर एएपी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- हार सामने देख, कांप उठी भाजपा। भाजपा की दिल्ली पुलिस मानजी के दिल्ली के घर पर रेड करने पहुंच गई है।

मध्यप्रदेश में प्राइवेट स्कूलों की हड़ताल

राजधानी भोपाल में असर नहीं,अन्य जिलों में दिखा विरोध; विदिशा में स्कूल संचालकों ने मुंडन कराया

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आज एमपी बोर्ड के पहली से आठवीं कक्षा तक के प्राइवेट स्कूल बंद हैं। बंद का आह्वान एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने किया है। मान्यता के नियम में रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त के विरोध में बंद बुलाया गया है। इंदौर, जबलपुर, उज्जैन समेत प्रदेश के अन्य जिलों में बंद का असर देखा जा रहा है। वहीं विदिशा में स्कूल संचालकों ने अपना मुंडन कराया है।

हालांकि, इसका असर राजधानी भोपाल में नहीं देखा गया। प्राइवेट स्कूल संचालक एसोसिएशन के अनुसार इसका प्रभाव शहर से सटे ग्रामीण इलाकों में नजर आया हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि सरकार ने मान्यता के नियमों को बहुत जटिल बना दिया है, जिससे सबसे अधिक कठिनाई ग्रामीण जिलों में हो रही है। वहीं एफडी अमाउंट लिया जा रहा है।

सत्र 2025-26 की मान्यता में कई स्कूलों के बंद होने की संभावना है। स्कूल बंद होने से उनमें कार्यरत

शिक्षक और कर्मचारी बेरोजगार हो सकते हैं और इससे जुड़े संस्थान भी प्रभावित होंगे। बच्चों की शिक्षा पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा। वर्तमान में प्राइवेट स्कूलों से राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पहले शिक्षा के महत्व को समझते हुए मान्यता नियमों को सरल रखा गया था। ऐसे में सवा लाख से अधिक शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के बेरोजगार होने की संभावना है।

इंदौर में एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सोनी ने बताया कि इंदौर में 8वीं तक के 2600 प्राइवेट स्कूल हैं। मान्यता के लिए रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट की शर्त का विरोध और सुरक्षा निधि लेने की रोक की मांग को लेकर ये सभी स्कूल गुरुवार को बंद रहे।

जबलपुर में जुटे स्कूल संचालक- जबलपुर में टाउन हॉल में गांधी प्रतिमा के सामने निजी स्कूलों के संचालकों ने विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए एसडीएम अभिषेक सिंह को मांग पत्र सौंपा। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों ने बताया कि, शिक्षा विभाग के 40 हजार रुपए डिपॉजिट, 4 हजार रुपए वार्षिक मान्यता शुल्क समेत 12 साल पुरानी स्कूल बसों के संचालन पर रोक लगाने जैसे नियमों में संशोधन किये जाने की मांग की जा रही हैं।

उज्जैन में स्कूल संचालकों ने की नारेबाजी

उज्जैन में 50 से ज्यादा स्कूल संचालकों ने अपने-अपने स्कूल बंद कर टावर चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान नारेबाजी करते हुए संचालक दशहरा मैदान स्थित शिक्षा विभाग के कार्यालय पहुंचे और डीपीसी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर सभी आदेशों को निरस्त करने की मांग की। अशासकीय शाला संगठन के संभागीय अध्यक्ष एस.एन. शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन की नई मान्यता नीति उन छोटे-छोटे निजी स्कूलों के अस्तित्व को संकट में डाल रही है, जो सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का प्रयास करते हैं। यदि यह नीति लागू होती है, तो कई छोटे स्कूल बंद होने की कगार पर आ जाएंगे। एमपी बोर्ड से संचालित स्कूलों पर रजिस्टर्ड किरायानामा सहित मान्यता के लिए 40,000 रुपये की सुरक्षा निधि की राशि जमा करने का आदेश आया है, जो अस्वीकार्य है। उज्जैन में 80 फीसदी स्कूल किराए की जगह पर संचालित हो रहे हैं।

एमपी बोर्ड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की प्रमुख मांगें

- 8वीं कक्षा तक के स्कूलों की मान्यता के लिए रजिस्टर्ड किरायानामे की शर्त को निरस्त किया जाए।
- पहले की तरह नोटरी किरायानामा को लागू किया जाए।
- मान्यता के लिए 40 हजार रुपए की सुरक्षा निधि लेने पर रोक लगाई जाए।
- शिक्षा का अधिकार की राशि समय पर दी जाए।
- मान्यता शुल्क में की गई वृद्धि को समाप्त किया जाए।

गांधीजी की श्रद्धांजलि सभा में ताली बजाने लगे नीतिश

विधानसभा अध्यक्ष ने हाथ पकड़कर रोका,फिर बढ़ेगा विवाद

तेजप्रताप ने कहा- मुख्यमंत्री जी का दिमाग खराब हो गया है

पटना (एजेंसी)। गुरुवार को महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि है, पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। पटना में भी बापू के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यहां सीएम नीतिश महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद ताली बजाने लगे। विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव ने उन्हें रोका। इस दौरान मुख्यमंत्री के पास खड़े डिप्टी सीएम विजय सिन्हा कंफ्यूज दिखे। पहले उन्होंने ताली बजाने के लिए हाथ उठाया, फिर नीचे कर लिया। दरअसल, मुख्यमंत्री, मंत्रियों के साथ पटना के गांधी घाट में महात्मा गांधी

की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही थी। मौन के खत्म होते ही मुख्यमंत्री ताली बजाने लगे।

श्रद्धांजलि सभा में विधानसभा स्पीकर नंद किशोर यादव, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, मंत्री अशोक चौधरी भी शामिल हुए। इधर, लालू यादव के बड़े बेटे ने कहा कि है मुख्यमंत्री जी का दिमाग खराब हो गया है। 30 नवंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन मुख्यमंत्री ने सदन में मंत्री अशोक चौधरी का ब्रेसलेट छुआ था। विधानसभा में मंत्री अशोक चौधरी विपक्ष के एक सवाल पर सरकार की योजना की जानकारी दे रहे थे। चौधरी अपने हाथ एक ब्रेसलेट पहने हुए थे, जिसमें रुद्राक्ष लगा हुआ था। यह रुद्राक्ष चौधरी के बोलते समय हिल रहा था। इसी दौरान अचानक से मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की नजर इस ब्रेसलेट पर पड़ गई।

बोरे में 500 के नोटों की गड्डियां शराब की ढेर बोतलें भी मिलीं

- एएपी के पर्चे मिले,'पंजाब सरकार' की कार पर बढ़ी तकरार
- बीजेपी ने भ्रष्टाचार के लगाए गंभीर आरोप,सियासी बवाल मचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव से महज एक हफ्ते पहले दिल्ली में पंजाब के नंबर प्लेट वाली एक सफेद रंग की ह्यूंडई कार। कार के ऊपर पंजाबी भाषा में लिखा हुआ है- पंजाब सरकार। तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन ने बुधवार रात को इस कार को पकड़ा। उसके भीतर से बोरे में भरकर 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियां मिलती हैं। लाखों रुपये। शराब की बोतलें भी मिलती हैं और साथ में मिलती हैं आम आदमी पार्टी के पर्चे। चुनाव प्रचार सामग्री। अब इसे लेकर दिल्ली की चुनावी फिजा की सियासत और गरमा गई है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की ही सरकार है। बीजेपी इसे एएपी के भ्रष्ट चेहरे का बेनकाब होना बता रही है तो पंजाब सरकार उस कार से ही पल्ला झाड़ रही है। आम आदमी पार्टी तो बीजेपी के आरोपों को हास्यास्पद बता रही है। बीजेपी,एएपी और कार...वार-पलटवार। ये तो नारा जैसा बन गया! बुधवार को दिल्ली पुलिस ने पंजाब

भवन के पास खड़ी एक सफेद रंग की कार से भारी मात्रा में कैश, शराब की बोतलें और आम आदमी पार्टी के पर्चे बरामद किए। कार पर लाल रंग से पंजाब सरकार लिखा है।

शिंदे को ठाणे में ही टेंशन देने की तैयारी में भाजपा!

बीजेपी मंत्री लगाएंगे जनता दरबार,बढ़ रही दरार

मुंबई (एजेंसी)। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पूरे ढाई साल तक भाजपा और शिवसेना की सरकार चली थी। लेकिन नई सरकार में समीकरण बदले तो हालात भी बदल चुके हैं। अब भाजपा ड्राइविंग सीट पर है और एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम हैं। यही नहीं एकनाथ शिंदे की तमाम नाराजगी और रस्साकशी के बाद भी उनकी पसंद के मंत्रालय उन्हें नहीं मिल पाए। अब उनके सामने एक और मुश्किल खड़ी हो गई है। भाजपा उनके गढ़ कहे जाने वाले ठाणे में अपना जनाधार बढ़ाना चाहती है और इसके लिए खुलकर बैटिंग शुरू कर दी है। भाजपा के मंत्री गणेश नाइक ने बुधवार को कहा कि हम चाहते हैं कि ठाणे में कमल खिले। भाजपा का यह उत्साह और ठाणे को लेकर प्लान एकनाथ शिंदे के लिए टेंशन भरा है, जो उद्धव ठाकरे से बागी होकर सीएम बने थे और अब उनका ही गुट शिवसेना नाम से पार्टी चला रहा है। ठाणे के प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे हैं। इसलिए वहां विकास के मामलों और जनहित से जुड़े किसी विषय पर एकनाथ शिंदे ही सुनवाई करते हैं। अब यहां गणेश नाइक भी जनता दरबार लगाना चाहते हैं। वह पड़ोस के पालघर जिले के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह ठाणे में भी जनता दरबार लगाएंगे। नवी मुंबई से आने वाले नाइक वन मंत्री भी हैं।

कनाडाई रिपोर्ट ने ही खोल दी जस्टिन ट्रूडो की पोल

- नहीं मिला हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भारत का कनेक्शन

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा की एक रिपोर्ट ने अपने प्रधानमंत्री के दावों पर सवाल उठा दिए, जिसमें खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के तार भारत से जोड़े गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हत्याकांड का किसी अन्य देश से कोई 'ठोस संबंध' नहीं है। साथ ही मंगलवार को भारत ने कनाडा में चुनाव में दखल के दावों को भी खारिज कर दिया है। कनाडा के एक आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह साबित नहीं हुआ है कि कनाडाई सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का किसी अन्य देश से ठोस संबंध है। इस रिपोर्ट ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों को दरकिनार कर दिया है, जिसमें उन्होंने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। दरअसल सितंबर 2023 में ट्रूडो ने कहा था कि कनाडा के पास विश्वसनीय सबूत हैं कि जून 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट शामिल थे। 'संघीय चुनाव प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विदेशी हस्तक्षेप की सार्वजनिक जांच' शीर्षक वाली रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई।

खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रदेश को गर्व : राज्यपाल

राज्यपाल ने दृष्टि-बाधित महिला क्रिकेट विजेता टीम को किया आमंत्रित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दृष्टि-बाधितों के लिए राष्ट्रीय महिला टी- 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण की विजेता प्रदेश की टीम को राजभवन में आमंत्रित किया। उनके साथ चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रदेश का हर नागरिक गर्व का अनुभव कर रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री पटेल आज राजभवन के बिलियर्ड्स हॉल में दृष्टि बाधितों के लिए पांचवें राष्ट्रीय महिला टी- 20 क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता टीम के खिलाड़ियों के साथ चर्चा कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने टीम के सदस्यों से परिचय प्राप्त किया। टीम के खिलाड़ियों के साथ उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के संबंध में चर्चा की। टीम के गठन, बॉलिंग, बैटिंग और फील्डिंग संबंधी बारीकियों के बारे में भी खिलाड़ियों से जानकारी ली। राज्यपाल श्री पटेल ने खिलाड़ियों का

उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जिस तरह स्वच्छता सर्वेक्षण में 7 बार से इंदौर देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन कर रहा है। उसी तरह आपकी टीम भी लगातार विजेता रह कर नया कीर्तिमान कायम करे।

राज्यपाल श्री पटेल को क्रिकेट एसोसिएशन फॉर दी ब्लाइंड मध्यप्रदेश के जनरल सेक्रेटरी श्री सोनू गोलकर ने बताया कि हाल ही में क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया द्वारा 13 से 18 जनवरी 2025 तक कोच्चि, केरल में राष्ट्रीय महिला टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। टूर्नामेंट में देश के कुल 19 राज्यों ने भाग लिया था। मध्यप्रदेश की महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। प्रदेश की टीम ने फाइनल मुकाबले में कर्नाटक को हराकर राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने बताया कि एमपी महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम का गठन वर्ष 2021 में किया गया। इतने कम समय में ही प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने गौरव पूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है।

इस अवसर पर टीम की महिला खिलाड़ी आरती, नंदिनी कलमे, प्रिया कीर, पायल रावत, दुर्गा उइके, सुनीता सराठे, रेणुका चौहान, अनुष्का प्रजापति, शिल्पा निषाद, करिश्मा बारस्कर, सुषमा पटेल, खुशबू उइके, दुर्गा येवले, सिमरन डंगोड़े, दीक्षा वर्मा, मेनेजर दीपक पहाड़े और कोच ओमप्रकाश पाल उपस्थित थे।

गेहूँ उपार्जन के लिये 31 मार्च तक होगा पंजीयन : खाद्य मंत्री राजपूत

समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए 28 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया है कि वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। मंत्री श्री राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि गेहूँ की विक्री के लिए समय-सीमा में पंजीयन जरूर करायें। अभी तक किसानों द्वारा गेहूँ के समर्थन मूल्य पर बिक्री के लिये ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। अभी तक 28 हजार 677 किसानों ने पंजीयन कराया है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिए जिला सीहोर में 6122, उज्जैन में 5196, इंदोर में 4580, देवास में 2309, धार में 2286, शाजापुर में 1786, रतलाम में 1147, नर्मदापुरम 730, विदिशा 684, रायसेन 650, भोपाल में 609, राजगढ़ में 451, आगर मालवा में 244, बैतूल में 224, झाबुआ में 210, टीकमगढ़ में 179, मंदसौर में 158, खंडवा में 151, मंडला में 141, खरगौन में 127, नीमच में 91, हरदा में 102, नरसिंहपुर में 86, छतरपुर में 82, मुरैना में 59, सागर में 37, शहडोल में 35, दतिया में 32, निवाड़ी में 29, छिन्दवाड़ा में 28, सीधी में 24, सिंगरौली में 19, श्योपुर में 11, बड़वानी में 9, रीवा में 9, अशोक नगर में 5, सिवनी में 7, उमरिया में 6, अनूपपुर में 5, अलीराजपुर में 4, ग्वालियर में 4, दमोह में 3, बुरहानपुर में 2 डिण्डोरी में 2, सतना में 1 और पन्ना में 1 किसान ने पंजीयन कराया है।

प्रत्येक कार्यालय में बनाए जायेंगे शिकायत प्रतितोष अधिकारी

भोपाल (नप्र)। प्रमुख सचिव एवं आयुक्त निःशक्तजन मध्यप्रदेश श्रीमती सोनाली पोक्षे वायंगणकर ने कहा कि दिव्यांगजनों की समस्याओं/शिकायतों के स्थानीय स्तर पर समाधान के लिये शासकीय कार्यालय में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 23 एवं मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के नियम 11 के तहत प्रत्येक सरकारी स्थापना में शिकायत प्रतितोष अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इन अधिकारियों की नियुक्ति की सूचना न्यायालय आयुक्त निःशक्तजन मध्यप्रदेश को दी जाएगी।

प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर ने बताया कि यदि किसी दिव्यांग को अपनी शिकायत पर की गई कार्यवाही से संतोष नहीं होता है, तो उसे मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के नियम 42 के अनुसार गठित जिला स्तरीय समिति के पास जाने का अधिकार होगा।

इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग जनों को त्वरित और प्रभावी न्याय प्रदान करना है, जिससे उनकी शिकायतों का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो सके और उन्हें लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना न पड़े।

अटल भूजल योजना के प्रदेश में मिल रहे हैं अच्छे परिणाम : जल संसाधन मंत्री सिलावट

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि अटल भूजल योजना और केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के जल संसाधनों की तस्वीर बदल रही है। क्षेत्र के भूजल स्तर में वृद्धि से जल स्रोत पुनर्जीवित हो रहे हैं। योजना के प्रारंभ होने के बाद से इस क्षेत्र की 173 ग्राम पंचायतों के भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई है, वहीं दो विकासखंड भूजल दोहन के लिए सुरक्षित श्रेणी में आ गए हैं। अटल भूजल योजना मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के 6 जिलों टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, दमोह और सागर की 670 ग्राम पंचायतों में जल संसाधन विभाग द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि अटल भूजल योजना भूजल प्रबंधन की एक महत्वाकांक्षी योजना है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई की 95 वीं जयंती पर 25 दिसंबर 2019 को इस योजना का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। योजना का उद्देश्य संबंधित विभागों द्वारा सामुदायिक भागीदारी से भूजल स्तर में गिरावट को रोकना और भूजल प्रबंधन में सुधार करना है। प्रदेश में योजना के अंतर्गत भूजल संरक्षण के लिए सामाजिक संगठनों के सहयोग से विभिन्न प्रयास किया जा रहे हैं, जिनके सुखद परिणाम मिल रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश के अन्य अति दोहित विकासखंडों में भी राज्य शासन के माध्यम से इस योजना को लागू करने पर विचार किया जा रहा है।

अनाधिकृत हूटर को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

मनोज शुक्ला ने किया ट्रैफिक डीसीपी कार्यालय का घेराव, कहा- हिस्ट्रीशीटर दहशत फैला रहे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अनाधिकृत हूटर लगाने को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने सवाल उठाया कि हूटर लगाने की पात्रता किन-किन लोगों को है और निगरानीशुदा हिस्ट्रीशीटर अपराधी हूटर का इस्तेमाल कर दहशत

फैलाकर अपराध कर रहे हैं या अपराधियों को संरक्षण दे रहे हैं, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? उन्होंने मांग की कि यह अभियान राजधानी से शुरू होकर पूरे प्रदेश में चलाया जाए।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक (यातायात) के कार्यालय का घेराव किया। साथ ही, महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके सिद्धांतों की याद दिलाने के लिए गांधीजी का प्रतीकात्मक चश्मा भेंट कर अनुरोध किया कि हूटर का अवैध रूप से उपयोग करने वालों के खिलाफ समान रूप से कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर रविशंकर मिश्रा, तारिक अली, अमित खत्री, बृजेंद्र शुक्ला, संदीप सरवैया, प्रिंस नवांगे, मुकेश पंथी, फहीम बख्श, बाबर खान, कमरुद्दीन दाऊदी, अनीस सलमानी, उमर अली, आमिर अली, अलीमुद्दीन बिल्ले, दिनेश माली, फिरोज खान, फैजान खान, केशव राव मोरे, हफीज उद्दीन, शानू खान, राहुल सेन, सलीम कुरैशी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भोपाल में वेटिंग शिक्षकों का प्रदर्शन

आरकेएमपी पर महिलाओं ने काटे अपने बाल, कहा- सरकार मांगें नहीं मानेगी तो कराएंगे मुंडन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। वह यहां पर हाथ में कटोरा लेकर पहुंचे थे। वहीं दूसरी ओर प्रदर्शन के बीच महिलाओं ने अपने बाल काटे हैं। इस बीच महिलाएं रोती हुई नजर आई। अभ्यर्थी सरकार से खाली पदों को बढ़ाकर दूसरी काउंसिलिंग कराने की मांग कर रहे हैं।

अभ्यर्थियों का कहना है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1, 2023 के लिए दूसरी काउंसलिंग को लेकर लिखित आश्वासन नहीं दे रही है। प्रदर्शन कर रही अनुपमा शर्मा ने कहा, अगर आज सरकार हमारी मांगें नहीं मानती है, तो यहां सभी महिलाएं मुंडन कराएंगी। सरकार के लिए बेहद शर्म की बात होगी कि महिलाओं को इस तरह का कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फ्री में पैसे नहीं चाहिए, सरकार नौकरी दे- अभ्यर्थी जिज्ञासा ठाकुर ने कहा, आप महिला सशक्तिकरण और बहनों की बात करते हैं। अगर बहनें लायक हो गई हैं, तो उन्हें उनका अधिकार दीजिए। हमें फ्री में पैसे नहीं चाहिए। आपकी बहन शिक्षित है, उसे एक सम्मानजनक नौकरी दे दीजिए। हमने दो-दो चयन परीक्षाएं और पात्रता परीक्षाएं पास की हैं, बावजूद इसके हम वेटिंग में हैं।

सरकार जितनी भर्ती निकालती है, कम से कम उन पर तो पूरी तरह भर्ती करें। आज हमारी एक भी वेटिंग लिस्ट क्लियर नहीं हुई है। 8720 पदों में से 2900 पदों को भर दिया गया है, फिर भी हमारी वेटिंग क्लियर नहीं हुई। इतने सारे पद स्कूलों में खाली हैं, क्या उन्हें नहीं भरना चाहिए? सरकार हमें इस तरह सड़कों पर आंदोलन करने के लिए मजबूर न करे।

उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती वर्ग-1, 2023 में रिक्त पदों की जानकारी गजट पत्र डीपीआई, 27 दिसंबर 2024 के अनुसार, जनजातीय कार्य विभाग में लगभग 15,000 से अधिक पद रिक्त हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि इन रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार दूसरी काउंसलिंग आयोजित करे।

अभ्यर्थी बोली- सीएम आत्मदाह की अनुमति दें या फिर करेंगे मुंडन- हम पिछले एक साल से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हमारी मांगें नहीं मानी गईं। यहां तक कि मुख्यमंत्री ने हमारी बात को संज्ञान में तक नहीं लिया, न ही वे चर्चा करना चाहते हैं। हमारा यही कहना है कि यदि मुख्यमंत्री पदों में वृद्धि नहीं करते हैं, तो हम मुंडन संस्कार करेंगे। या फिर मुख्यमंत्री हमें आत्मदाह की अनुमति दें। सरकार यदि रोजगार नहीं दे सकती, तो हमें जीवन में कुछ भी सार्थक नहीं दिखाई देता।

सीआरपीएफ जवान बोला- मैंने पत्नी को गोली मार दी

फोन करके भोपाल पुलिस को बताया फिर सुसाइड किया; कमरे में मिले दोनों के शव

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बंगरसिया स्थित कॉलोनी में रहने वाले सीआरपीएफ जवान ने बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात 1.30 बजे गोली मारकर पत्नी की हत्या कर दी। उसने पत्नी को दो से ज्यादा गोलियां मारी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम और डायल 100 में खुद कॉल कर हत्या करने की जानकारी दी।

मासूम दूसरे कमरे में बैठे बिलख रहे थे। गोलियों की आवाज सुनने के बाद पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तब तक पत्नी-पत्नी की मौत हो चुकी थी। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच आए दिन झगड़े की आवाज आती थी।

मायके को ज्यादा तवज्जो देने को लेकर विवाद- पुलिस की अब तक की जांच में पता चला

पुलिस मौके पर पहुंची तो जवान का शव खून से लथपथ मिला। पास ही पत्नी का शव भी पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने दोनों बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घटनास्थल की जांच के दौरान पुलिस को पास ही पड़ी सर्विस इंसास राइफल और आठ कारतूस मिले हैं।

पुलिस पहुंची तो पति-पत्नी के लहूलुहान शव मिले- टीआई मनीष राज सिंह भदौरिया ने बताया कि रात करीब 1:30 बजे रविकांत ने कॉल कर बताया कि मैंने अपनी पत्नी को गोली मार दी है। फिलहाल ये स्पष्ट नहीं है कि दोनों को कितनी गोली लगी है। पत्नी की बॉडी में पीठ और पसली पर दो घाव साफ दिखाई दे रहे हैं। दोनों बॉडी का पीएम एम्स में कराया जा रहा है।

रविकांत वर्मा (35) और पत्नी रेनू वर्मा (32) सीआरपीएफ कैंप के पास सिविल कॉलोनी में रहते थे। ये लोग मूल रूप से भिंड के मिहोना के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक इनके दो बच्चे ढाई साल की बेटी और 6 साल का बेटा है। रविकांत के दो अन्य भाई भी सीआरपीएफ में ही नौकरी करते हैं। रवि 13 साल पहले सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था।

दूसरे कमरे में बिलखते मिले दंपत्ति के दोनों बच्चे- पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के शव एक कमरे में थे, जबकि दोनों

है कि सीआरपीएफ जवान रविकांत और रेनू की 8 साल पहले शादी हुई थी। पत्नी रेनू मायके पक्ष से फोन पर ज्यादा बातचीत करती थी। जवान को लगता था कि पत्नी ससुराल से ज्यादा मायके पक्ष को तवज्जो देती है। उससे और बच्चों से ज्यादा समय फोन पर बातचीत में बिताती है। इसी वजह से दोनों के बीच आए दिन विवाद होते थे। पुलिस का मानना है कि दोनों के बीच हुआ विवाद देर रात तक चला, इसके बाद जवान ने यह कदम उठाया है।

यूपी में पदस्थ था भाई, छुट्टी लेकर आया था- रविकांत 2010 बैच में सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था। भोपाल में हेड कॉन्स्टेबल है। रवि पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था। घटना के समय ऑन ड्यूटी था। एक भाई सीआरपीएफ से रिटायर्ड है। उसका मंझला भाई नीरज भी सीआरपीएफ रामपुर यूपी में ही पदस्थ है। फिलहाल छुट्टी लेकर भोपाल आया था। उसका घर रवि के घर के पास है। पत्नी रेनू ग्वालियर के मुरार की रहने वाली थी। रेनू के पिता बीएसफ में एसआई थे, फिलहाल खेती-किसानी करते हैं।

मृतक जवान के बड़े भाई राम कुमार ने बताया कि दोनों में कोई विवाद नहीं था। बुधवार को करीब 2 बजे ही दोनों भाई मिले थे। तब तक रवि ने किसी विवाद के बारे में चर्चा नहीं की थी।

बापू की पुण्यतिथि पर बीजेपी-कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जुटे नेता; सीएम ने जापान में बापू को याद किया

भोपाल (नप्र)। महात्मा गांधी की आज 77वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर सरकार आज प्रदेश भर में शहीद दिवस का आयोजन कर रही है। वहीं बीजेपी, कांग्रेस सहित तमाम राजनैतिक दल बापू को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी बापू को श्रृद्धांजलि दी। सीएम ने जापान के कोबे शहर में गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित कर बापू को याद किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी का पूरा जीवन भारतीयों के लिए समर्पित रहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने गांधी जी के बारे में ठीक ही कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करने में मुश्किल होगी कि हाड़-मांस से बना ऐसा कोई व्यक्ति भी कभी धरती पर आया था।

इधर, भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में लगी बापू की प्रतिमा पर बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मंत्री तुलसी सिलावट, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति की मौजूदगी में बापू को श्रद्धांजलि दी। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांग्रेस कार्यालय में बापू को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसके अलावा

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने गोडसे मुर्दाबाद के नारे लगाए।

कर्मचारियों ने 2 मिनट का सामूहिक मौन रखा- मंत्रालय के सामने पार्क में मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में बापू को दी गई। श्रद्धांजलि ठीक 11:00 बजे सायरन बजाने के साथ ही मौन शुरू हुआ और 2 मिनट का मौन धारण करने के बाद बापू को पुष्पांजलि देने के बाद अधिकारी कर्मचारी अपने काम के लिए रवाना हो गए। एमपी हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पर्यावास भवन में 2 मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा, एमपी हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पर्यावास भवन में सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रख शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने प्रदेश भर में रखे कार्यक्रम- बापू की पुण्यतिथि के मौके पर प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी जिला, शहर कांग्रेस कमेटियों को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जिला अस्पतालों में मरीजों को फल वितरण, संगोष्ठी और सर्व धर्म सम भाव आदि कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने किया सीतामऊ महोत्सव का शुभारंभ

छोटी काशी सीतामऊ लिटरेचर फेस्टिवल में दिखेगी विरासत की झलक, मंत्री निर्मला भूरिया भी शामिल

भोपाल (नप्र)। मंदसौर में चीतों की बसाहट से पहले पर्यटन और सांस्कृतिक स्तर पर मंदसौर को पहचान दिलाने मोहन सरकार सीतामऊ साहित्य महोत्सव करा रही है। मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने पशुपतिनाथ के शहर मंदसौर को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए देश-विदेश की हस्तियों को बुलाकर यहां पर्यटन, साहित्य, संगीत का आयोजन करने का फैसला किया है। इसमें विरासत की झलक भी लोगों को दिखाने का प्रयास किया जाएगा। इस आयोजन में अपनी साहित्यिक विरासत को लेकर छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध नगरी सीतामऊ अपनी वैभवशाली संस्कृति का गान करेगी।

सीतामऊ में तीन दिवसीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव का शुभारंभ नट नागर शोध संस्थान पैलेस गार्डन में केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने वर्चुअली किया। इसमें मंदसौर की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्षा दुर्गा विजय पाटीदार शुभारंभ मौके पर मौजूद रहे।

मंदसौर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के द्वारा 30 जनवरी से 1 फरवरी 2025 तक सीतामऊ में साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यहां स्थित नट नागर शोध संस्थान पांडुलिपियों के संग्रह एवं इतिहास पर अपने शोध कार्य के लिए देश-विदेश में विख्यात है। उससे जुड़ी शोध जगत की तमाम विभूतियां इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। पर्यटन के मानचित्र पर मंदसौर को सशक्त पहचान दिलाने के

लिए महोत्सव में स्थानीय प्राकृतिक एवं दर्शनीय स्थलों के भ्रमण का कार्यक्रम भी प्रशासन द्वारा रखा गया है।

मंदसौर और सीतामऊ का इतिहास भी दिखेगा- मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग ने बताया कि लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की एक श्रृंखला भी महोत्सव का हिस्सा रहेगी। मंदसौर एवं सीतामऊ के इतिहास पर प्रकाश डालने के लिए तथा भारतीय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से नई पीढ़ी को परिचित कराने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चाओं का आयोजन भी किया जाएगा। पैलेस गार्डन सीतामऊ, वेव्स क्लब बसई, सेवा कुंज परिसर समेत सीतामऊ गढ़ में 3 दिनों तक विभिन्न सत्रों में होने वाले कार्यक्रमों में इतिहास, साहित्य एवं पर्यावरण जगत की प्रसिद्ध हस्तियां देश विदेश से कार्यक्रम में शिरकत करेंगी।

ये होंगे मुख्य वक्ता

- गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री
- पद्मश्री अशोक चक्रधर, लेखक, कवि
- पद्मश्री भालू मोंढे, पर्यावरण विद, फोटोग्राफर, पेंटर
- टीसीए राघवन, पूर्व भारतीय उच्चायुक्त और लेखक
- उदय एस. कुलकर्णी, लेखक, इतिहासकार

1 फरवरी के कार्यक्रम

- वीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और शिव कुमार भनोत की ओर से इंसपायर्ड कन्वर्सेशन
- विंग एंड व्हिस्कर्स एन इनसाइट ऑन फाउना ऑफ मंदसौर बुक रिलीज होगी।

ये कलाकार आएंगे

- विरासत सीतामऊ लिटरेचर फेस्टिवल मुख्य रूप से इतिहास और साहित्य का महोत्सव है। मुख्य एक्टिविटीज पैलेस गार्डन सीतामऊ में होंगी।
- क्रोकोडाइल (मगरमच्छ) एंड ओटर (ऊदबिलाव) वाचिंग, चंबल रिवर सफारी, स्टार गेजिंग शामिल है।
- मनगनियार ग्रुप के राजस्थानी फोक कलाकार, सूफी आर्टिस्ट राजीव सिंह, फोक एंड गजल आर्टिस्ट अली ब्रदर्स और तबला वादक निशांत शर्मा के कार्यक्रम होंगे।

आज दिन भर होंगे ये कार्यक्रम

- अश्विनी शोध संस्थान के फाउंडर प्रोफेसर आरसी ठाकुर कहानी सिक्कों की बताएंगे।
- पद्मश्री अशोक चक्रधर द स्टोरी इन हिस्ट्री और उदय कुलकर्णी मराठा इतिहास के बारे में जानकारी देंगे।
- इसके बाद म्यूजिकल नाइट मनगनियार ग्रुप और अली ब्रदर्स का कार्यक्रम होगा।

31 जनवरी को ये कार्यक्रम

- इतिहास के पन्नों से विषय पर पद्मश्री भालू मोंढे और रविंद्र कुमार शर्मा की स्पीच होगी।
- सेलिब्रेटिंग द चंबल विषय पर चंबल सफारी, क्रोकोडाइल एंड ओटर वाचिंग कार्यक्रम
- मैन एंड एनिमल: ए बॉन्ड आफ बैटल्स पर डॉ यशस्विनी चंद्र का प्रजेंटेशन होगा।
- स्टार गेजिंग अंडर गाइडेंस आफ एक्सपर्ट फ्राम नेहरू प्लेनेटोरियम मुंबई की ओर से होगा।

संपादकीय

अमेरिका : डब्ल्यूएचओ से हटने के मायने

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका का विश्व स्वास्थ्य संगठन से अलग होने का फैसला न केवल अदूरदर्शी और वैश्विक स्वास्थ्य के लिए घातक है बल्कि यह भारत जैसे विकासशील देशों और खुद अमेरिका के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है। अमेरिका अगले 12 माह में डब्ल्यूएचओ से अलग हो जाएगा। हकीकत में डब्ल्यूएचओ से अलग होने को लेकर अमेरिका का तर्क बोदा है। लेकिन इस निर्णय ने चीन के लिए नए अवसर पैदा कर दिए है। वो ज्यादा फंडिंग कर परोक्ष रूप से डब्ल्यूएचओ पर कब्जा कर सकता है। यह स्थिति भारत के लिए बहुत ही चिंतादायक होगी। द लेंसेट में छपे एक आलेख में स्पष्ट कहा गया है कि डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का बाहर निकलना गैरकानूनी है और वैश्विक तथा अमेरिकी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए खतरा है। जानकारों का मानना है कि अमेरिका के डब्ल्यूएचओ से अलग होने से इस संगठन द्वारा दी जाने वाली उन सेवाओं की गुणवत्ता पर असर होगा, जिसके लिए यह संगठन अपने बनने के साल 1948 से जाना जाता रहा है। गौरतलब है कि 29 मई 2020 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की थी कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ के साथ अपने संबंधों को समाप्त कर देगा और अमेरिकी वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के लिए धन को पुनर्निर्देशित करेगा। 6 जुलाई 2020 को अमेरिकी प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को डब्ल्यूएचओ की सदस्यता से हटने के इरादे से अवगत कराया। यह अधिसूचना दुनिया भर में कोविड 19 मामलों में रिकॉर्ड दैनिक वृद्धि और अमेरिका के तीन-चौथाई से अधिक राज्यों में बढ़ते संक्रमण के साथ मेल खाती है। इसके जवाब में अमेरिका में शिक्षा, विज्ञान और कानून के 750 नेताओं ने अमेरिकी कांग्रेस से राष्ट्रपति की कार्रवाई को रोकने का आग्रह किया। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इकतरफा कार्रवाई कर दी। अमेरिका का आरोप है डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों के पास अनुचित राजनीतिक प्रभाव था। अमेरिका से बहुत ज़्यादा पैसा लिया गया। अन्य बड़े देशों जैसे चीन की तुलना में ये फ़ंडिंग काफी अधिक थी। हालांकि यह आरोप पूरी तरह से सही नहीं है। विश्व को महामारियों और संक्रामक रोगों के खिलाफ लड़ने, उनके बारे में दुनिया को सचेत करने और जटिल बीमारियों के इलाज के शोध कार्य को बढ़ावा देने में डब्ल्यूएचओ की अहम भूमिका रही है। अमेरिका अब तक डब्ल्यूएचओ को सबसे ज़्यादा फंडिंग करता रहा है। 2022-23 में उसने डब्ल्यूएचओ को 128 करोड़ डॉलर से ज़्यादा की मदद की। अब अमेरिका यह आर्थिक मदद रोकता है तो चीन के लिए आर्थिक सहायता बढ़ाने का यह स्वर्णिम अवसर होगा। साथ ही इस वैश्विक संगठन में अपना दबदबा कायम करने का सुनहरा मौका भी होगा। ट्रंप के नेतृत्व वाला अमेरिका इस हकीकत को समझ कर भी शायद अनदेखा करना चाहता है। जहां तक भारत की बात है तो अब हमे महामारी से निपटने की तैयारियों, टीबी, एड्स, रोगाणुओं और एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर निगरानी समेत कई अन्य कार्यक्रमों पर ज़्यादा खर्च करने के लिए तैयार रहना होगा। डब्ल्यूएचओ को जो अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलता है उसका इस्तेमाल हर देश के फ़ायदे के लिए होता है। वैसे अमेरिका के क़दम से भारत पर कितना असर होगा इसका सही-सही अंदाजा तभी लगेगा जब डब्ल्यूएचओ फ़ंडिंग से जुड़े अंतिम आंकड़े पेश करेगा। दूसरे, ज्यादातर विशेषज्ञ स्वास्थ्य संम्बन्धी जानकारियों की वैश्विक साझेदारी को लेकर भी चिंतित हैं। इसका कारण यह है कि चीन ऐसी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा नहीं करता, जबकि अमेरिका ऐसा करता है। चीन के इस रवैए खामियाजा कोविड महामारी के दौरान भुगत चुकी है। कई जानकारों का मानना है कि यह आखिरी चीज़ है जिसकी वैश्विक समुदाय को ज़रूरत है, क्योंकि दुनिया एक ऐतिहासिक स्वास्थ्य आपातकाल का सामना कर रही है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। आप केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

धर्म-संस्कृति का महाकुंभ हम सबकी जिम्मेदारी

प्रयागराज में महाकुंभ का सांस्कृतिक आयोजन हुआ है। इस महाकुंभ में इस पृथ्वी का पुण्य अर्जित करने के लिए करोड़ों भारतवासी, प्रवासी भारतीय, विदेशी और संतवृंद एकत्रित हुए हैं। भारत के इतिहास का यह अद्भुत क्षण है जब 40 करोड़ लोग इसमें आने वाले हैं, ऐसा अनुमान लगाया गया है। कुंभ यह नहीं है, इसे महाकुंभ कहा गया क्योंकि पौराणिक मान्यता है कि यह अवसर अब 144 वर्ष बाद पुनः आएगा। इसलिए भी अपार जनमानस के एकत्रित होने का अनुमान केंद्र व प्रदेश की सरकार लगा रही थी। आयोजन के लिए व्यापक पैमाने पर व्यवस्थाएं की गयीं और इस समय इसे महाकुंभ जिला घोषित करके विशेष व्यवस्था भी दिए जाने का सरकार ने प्रयास किया।

इस विशेष जगह बार जहाँ व्यापक जनमानस जुटकर गंगा मैया से अपने आपको पवित्र करना चाहता है, यह सौभाग्य का क्षण भारतवासियों के लिए है। विगत कई वर्षों से प्रदेश सरकार इस महाकुंभ के लिए प्रयास कर रही थी कि इसे किसी भी तरह से सफल बनाना है। कदाचित जैसी सोच थी, वैसी व्यवस्था प्रयागराज में नहीं हुई और अब निराशा के विभिन्न शोर भी सामने आने लगे हैं।

भारत में वीआईपी कल्चर ने इस महाकुंभ को सबसे बड़ा नुकसान पहुँचाया है। देश के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द जी ने इस वीआइपी कल्चर का पहले ही विरोध किया। उन्होंने कहा कि माँ गंगा के सामने सभी को आम जनमानस की भांति आकर स्नान करना चाहिए। किसी के लिए विशेष व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। लेकिन इस भारत में विशेष होने, कहने, सुनने की आदत है। सभी अखाड़े इस महाकुंभ में बहुत ही तन्मयता से भाग ले रहे हैं। महाकुंभ में भाग लेने के लिए वीआइपी लोगों का भी यह महाकुंभ हुआ और इस वीआईपी कल्चर के वजह से प्रयागराज में जो हुआ उसका परिणाम अब सामने आ गया है। मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर अखाड़े और आमजन के स्नान की समस्या और उस दिन वीआईपी मूवमेंट ने इस महाकुंभ को प्रश्नांकित कर दिया। रात के ही एक से दो बजे के बीच में भीड़ और भगदड़ से महाकुंभ की सांस्कृतिक और साभ्यतिक महत्ता को धक्का लगा। इसमें कुचले लोग गए। इसमें लोग मारे। इसमें लोग घायल हुए। इसमें लोग अधनंगे हुए। इसमें लोग नंगे हुए। यह शोभा जो प्रयागराज की महिमा को बहुत तेजी से बढ़ा रही थी, जो लोकप्रियता यह महाकुंभ बटोर रहा था, इस महाकुंभ को नज़र लग गयी। लोग बिछुड़ गए अपने लोगों से। लोग खो दिए अपने लोगों को। लोग आँखों के आंसू और क्रंदन में जीने के विवश हो गए।

अब इस महाकुंभ में जिन्होंने खोया है अपनों को उनके लिए पुण्य क्या है और पाप क्या है, यह समझ से परे हो गया है। सबसे अहम् बात यह रही कि मेला प्रशासन बिल्कुल विवश हो गया और रात में तो

मूकदर्शक बनकर केवल उस मंजर को वह देख ही सकता था क्योंकि भीड़ तो भीड़ होती है। अपने को बचाने के चक्कर में एक दूसरे पर गिरते-पड़ते लोग खुद को कोसते रहे। कोई अपने बच्चे को खोज रहा था। कोई अपने चाही को खोज रहा था। कोई अपने पत्नी को खोज रहा था। कोई अपने मरे हुए लोगों तक पहुँचने की कोशिश कर रहा था। कोई अपने नग्न स्त्रियों की लाज़ बचाने के लिए चिंतित था। यह तो उस मौके की स्थिति थी। इस चक्कर में इस महाकुंभ जिले से सटे मार्ग अवरुद्ध हो गए। 20 से 40 किलोमीटर तक के जाम में लोग फंस गए। यह महाकुंभ बहुत ही पीड़ादायी बन गया।

भारत में धर्म और आस्था के विषय जब मौत के मंजर बन जाते हैं तो हमारे लिए हमारा विवेक काम करना बंद कर देता है। जिनके परिवार के लोग इसमें पीड़ित हुए या जिनके परिवार के लोग इस घटना के शिकार हुए और जिनके लोग इस दुनिया में नहीं रहे या जिनके लोग अब बिछुद्कर उन्हें कभी नहीं मिलेंगे, उनके लिए यह महाकुंभ तो विषवमन हो गया। बाहर बैठे लोग अपने-अपने तरह से स्टेटमेंट देंगे। उनका क्या? वे स्वयं भुक्तभोगी हों, तो पता चले कि अपनों को खोने और अपनों से विछुड़ने की पीड़ा क्या होती है? मीडिया ने तो हद कर दी। एक चैनल ने दावा किया की 10 करोड़ लोग पहुँच गए तो ऐसी स्थिति हो गयी। सच दिखने और सच कहने से इतना परहेज मीडिया ने जब से करना शुरू किया है, मीडिया से लोगों का विश्वास टूट सा गया है। समझ में नहीं आता भारत जा किस दिशा में रहा है? समझ नहीं आता कि झूठ बोलने की इन एजेंसी का कोई अपना धर्म और नैतिकता भी शेष है कि नहीं?

भारत में इस महाकुंभ में सांस्कृतिक क्या है, यह अब लोगों ने सवाल इसलिए करना शुरू कर दिया है क्योंकि इसमें उन्हें जो अपेक्षाएं थीं, वह तो नहीं मिली, विभिन्न प्रकार के कष्ट ज़रूर झेलने पड़े हैं। गंगा मैया का महात्म्य को लोग इस पुनीत पर्व पर समझने और पुण्य लाभ लेने के लिए गए थे लेकिन वीआइपी कल्चर और कुछ लचर व्यवस्थाओं ने सरकार को शर्मिंन्दित किया है। व्यवस्था इतने ज्यादा लोगों का करना कोई आसान बात नहीं है। यह एक तरह से बड़ा उद्यम है। इसमें एक अव्यवस्था यह भी प्रदेश सरकार को सहनी पड़ी है कि दूरदराज़ से आने वाले स्नान करके आसपास के भी दर्शन का कार्यक्रम बनाए और इसी के साथ अयोध्या, मथुरा और काशी में भी भीड़ बन गए। अयोध्या में भी कई लोगों के मरने की खबरें आ गयीं। ऐसे हालत में, अयोध्या के ट्रस्टी चंपत जी को अयोध्या न आने की अपील करनी पड़ी। खैर चंपत राय की यह अपील धार्मिक दृष्टि से सुसंगत नहीं है क्योंकि जिस मनोभावों को लेकर लोग चले हैं, वह उनकी आस्था है। आस्था जब भगवान् श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, तब तो सबके आस्था का विषय थी, आज उनकी वैयक्तिक आस्था भी उनके दया की मोहताज हो गयी, जो कि धर्मसम्मत नहीं है।

भारत में आस्था और विश्वास के लिए यदि हम बड़े पैमाने पर लोगों में भावनाओं की प्राण प्रतिष्ठा कर रहे हैं तो हमारे देश में इन परिक्षेत्रों में जनमानस की सुरक्षा की भी गारंटी लेनी पड़ेगी। उस सुरक्षा की गारंटी के साथ स्थानीय लोगों के भी जीवन व सरोकार में बाधा न हो, इस पर भी ध्यान देना होगा। आस्था की आंधी में भीड़ का अपना वीभत्स स्वरूप जो सामने आया कि आस्था से बड़ी चीज तो लोगों के जीवन की पड़ी है। ऐसे में लोग किसी की ओर न देखकर खुद को सुरक्षित करने में जुटे रहे। फिर कौन बड़ा, कौन छोटा, यह विचारणीय है। भारत में ऐसे अनेक अवसर आए, विद्यमान अवसर और आने वाले अवसर के लिए सरकार की तैयारी अब जब प्रश्नांकित हो ही गयी है तो इसके लिए हमारी रणनीति आगे के समय के लिए क्या हैं, इस पर विचार होना चाहिए। भारत में बोने वाले काटने के बारे में भी विचार करें की उन्हें कितना बोना है, क्या बोना है और इसके पैदावार को काटना होगा तो हमारी स्थिति क्या होगी?

ऐसे में, आस्था और विश्वास के महाकुंभ के इस पावन महोत्सव में जिन लोगों ने अपने-अपने लोगों के शव अपने लोगों के इंतज़ार में हैं, वे शायद उन्हें पहचान पायें और उन्हें ले जा पाएं। उनके जीवन का तो दुर्भाग्य बनकर यह महाकुंभ उनके जीबन में आ गया। केवल शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द की ही बात को यदि जनता ध्यान से सुन ली होती तो भी ऐसे हादसे नहीं होते। आवश्यकता इस बात की है कि आज पूरी तरह से सतर्क होकर महाकुंभ सुव्यवस्थित संचालित करने की जिम्मेदारी लेने वाले लोग काम करें। मुख्य मंत्री, प्रधान मंत्री के निर्देश का पालन करें। जब भारत के आस्तिक रहेंगे तो ही भारत वैभव स्थापित होगा, उनके मौत से भारत का पराभव ही होना है। समझ लीजिये, यह एक चुनौती है और अवसर भी है जब भारत के इस महाकुंभ के साथ कठिन परीक्षाएं देनी है और उसमें उत्तीर्ण भी होना ज़रूरी है।

महाकुंभ हादसा

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आस्था का आवेग बना हादसे का कारण

प्रचार का प्रभाव और पर्व विशेष में त्रिवेणी में डुबकी लगाने के उत्साह में मची भगदड़ में तीस लोग प्राण गंवा बैठे और करीब 60 लोग घायल हो गए। 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या के विशेष पर्व स्नान का विशेष मुहूर्त था, करोड़ों लोग मुहूर्त की प्रतीक्षा की शुभ घड़ी में गंगा तट पर एकत्रित होते चले गए। यहीं रुकने और चादर बिछाकर सो भी गए। फिर जब अर्धरात्रि में एक से दो के बीच स्नान के लिए भीड़ का सैलाब उमड़ा तो रेत पर सोये लोगों की अनदेखी करते आगे बढ़े और लड़खड़ा कर एक-दूसरे पर गिरने लगे। इस उठापटक में संभलने का अवसर भी नहीं मिला और लोग हताहत होते चले गए। ऐसा नहीं था कि प्रशासन को इस तरह के संकट की आशंका न हो ? क्योंकि पांच से लेकर 10 करोड़ लोगों के संगम में डुबकी लगाने की संभावना पूर्व से ही की जा रही थी। रात 9-10 बजे से ही यह अपील की जा रही थी कि लोग स्नान करते चलें और संगम स्थल से निकल जाएं। परंतु शुभ मुहूर्त के फेर में आस्थावान श्रद्धालु डटे रहे और सनातन के चरम पर पहुंचे कुंभ में अनहोनी घट गई। घटना से स्थितप्रज्ञ अधिकारियों का विवेक कुछ समझ ही नहीं पाया, नतीजतन आकस्मिक उपचार की सुविधाएं भी विलंब से पहुंची। साफ है, जब ऐसी परिस्थिति की आशंका थी, तब पहले से ही परिकल्पना करके उससे तत्काल निपटने के उपाय प्रशासन को संगम पर करने की जरूरत थी। प्रशासन का प्रबंधन जहां चकनाचूर था, वहीं भीड़ का अनुशासन भी नहीं दिखा। वस्तुतः आस्था के अनियंत्रित आवेग में खोते हुए विवेक ने घटना को अंजाम दे दिया। यहां जरूरत थी कि भीड़ को मेले में प्रवेश ही एक तय संख्या के समूह में क्रम-क्रम से दिया जाता। प्रशासन ने इसी मेले में गीता प्रेस के परिसर में आग लगने के बावजूद कोई सबक नहीं लिया।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। इसी प्रयाग के 2013 में संपन्न हुए कुंभ मेले में रेलवे स्टेशन पर बने पैदल पुल पर भगदड़ मचने से 42 लोगों की मौत हो गई थीं। लेकिन प्रशासन ने इस घटना से कोई सबक नहीं लिया। 1954 में भी प्रयागराज के कुंभ में 3 फरवरी को मौनी अमावस्या पर भगदड़ मची और 800 लोग काल के गाल में समा गए। 1986 में हरिद्वार के कुंभ में वीआईपी दर्जे के लोगों को विशेष स्नान के लिए भीड़ रोक देने के कारण भगदड़ मची और 200 लोग मारे गए थे। 2003 के नासिक कुंभ में 39 और 2010 के हरिद्वार के कुंभ में शाही स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोवेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? अतएव देखने में आता है कि आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते है। वस्तुतः कुप्रबंधन को लेकर विपक्ष को आयोजन में कमियां उजागर करने का मौका मिल गया।

इस कुंभ की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की गई। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को कुंभ स्नान के लिए आमंत्रित किया गया। फलतः कौने-कौने से श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाने का मन बना लिया। नतीजा यह निकला कि जिसे जो आवागमन का साधन मिला प्रयागराज की ओर चल दिया। जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ा कि परिवहन से लेकर प्रयाग में प्रबंधन के सभी साधन कम पड़ गए। करोड़ों की भीड़ को संभालने के लिए सात स्तरीय सुरक्षा प्रबंधों से लेकर जो भी आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब ध्वस्त हो गए। ऐसा मेले के विराट रूप में बदल जाने के कारण हुआ। वैसे भी हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक आयोजन विराट रुप लेते जा रहे हैं। कुंभ मेलों में तो विशेष पर्वों के अवसर पर एक साथ कई करोड़ लोग एक निश्चित समय के बीच स्नान करते हैं। ऐसे में भीड़ के अनुपात में यातायात और सुरक्षा के इंतजाम देखने में नहीं आते। जबकि शासन-प्रशासन के पास पिछले पर्वों के आंकड़े और अनुभव होते हैं। बावजूद लापरवाही और बद्इंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल, कुंभ या अन्य मेलों में जितनी भीड़ पहुंचती है और उसके प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत होती है, उसकी दूसरे देशों के लोग कल्पना भी नहीं कर सकते ? इसलिए हमारे यहां लगने वाले मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से नहीं ले सकते ? क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे।

प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ जाती है। ऐसे में कोई महिला या बच्चा गिरकर अनजाने में भीड़ के पैरों तले रौंद दिया जाता है और भगदड़ मच जाती है। इस कुंभ में जहां केंद्रीय मंत्रीमंडल के मंत्री स्नान के लिए आते रहे, वहीं भाजपा षासित प्रदेश सरकारों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने भी वीआईपी घेरे में श्रद्धालुओं को परे करके डुबकी लगाई। गौतम अडाणी ने भी परिवार सहित वीआईपी स्नान किए।

दरअसल दर्शन-लाभ और पूजापाठ जैसे अनुष्ठान अशक्त और अपंग मनुष्य की वैशाखी हैं। जब इंसान सत्य और ईश्वर की खोज करते-करते थक जाता है और किसी परिणाम पर भी नहीं पहुंचता है तो वह पूजापाठों के प्रतीक गढ़कर उसी को सत्य या ईश्वर मानने लगता है। यह मनुष्य की स्वाभाविक कमजोरी है। यथार्थवाद से पलायन अंधविश्वास की जड़ता उत्पन्न करता है। भारतीय समाज में यह कमजोरी बहुत व्यापक और दीर्घकालीक रही है। जब चिंतन मनन की धारा सूख जाती है तो सत्य की खोज मूर्ति पूजा और मुहूर्त की शुभ घड़ियों में सिमट जाती है। जब अध्ययन के बाद मौलिक चिंतन का मन-मस्तिष्क में ह्रास हो गया तो मानव समुदाय भजन-कीर्तन में लग गया। यही हश्र हमारे पथ-प्रदर्शकों का हो गया है। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं।

भीड़ बढ़ाने में मीडिया की भूमिका

धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ाने का काम मीडिया भी कर रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ सोशल मीडिया भी टीआरपी के लालच में अहम् भूमिका निभाता नजर आ रहा है। इस कुंभ में हम देख रहे हैं कि नीली आंखों वाली लड़की और आईआईटिअन साधु के वीडियो एक तमाशे के रूप में कहीं ज्यादा दिखाए और देखे गए है। जबकि शंकराचार्यों से धर्म और आस्था के गूढ़ रहस्यों को ज्ञात करने की जरूरत थी ? परंतु हमारे यहां प्रत्येक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चमात्कारिक लाभ से जोड़कर देश के भोले-भाले भक्तगणों से एक तरह का छल मीडिया कर रहा है। इस मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद धर्म के क्षेत्र में कर्मकांड और पाखण्ड का आडंबर जितना बड़ा है, उतना पहले कभी देखने में नहीं आया। इसकी पृष्ठभूमि में बाजारवाद की भूमिका भी रहती है। निर्मल बाबा, कृपालू महाराज, आषाराम बापू और रामपाल जैसे संतों का महिमामंडन इसी मीडिया ने किया था। हालांकि यही मीडिया पाखंड के सार्वजनिक खुलासे के बाद मूर्तिभंजक की भूमिका में भी खड़ा हो जाता है।

अफवाहों से भगदड़ और ये सबक

सामयिक

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक स्तंभकार हैं।

सामाजिक जीवन में तीर्थ उत्सव जरूरी हिस्सा है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि महाकुंभ पर्व पर लोग संगम पर आस्था की अभिव्यक्ति के फलस्वरूप सामूहिक भीड़में जमा हैं। मगर इस क्रम में ऐसे तीर्थ पर्व मनाने के लिए किए गए आयोजनों में जिस तरह बार-बार हादसे सामने आ रहे हैं, वे अपने आप में एक बड़ा सवाल है खड़ा करते हैं कि क्या अब इस तरह की भीड़ का जुटना जानलेवा है? उत्तर प्रदेश के प्रयागराज संगम में मौनी अमावस्या स्नान में भगदड़ से हादसा होना दुःखद है। महाकुंभ पर्व का आयोजन है जिस प्रकार से जन सैलाब वहाँ उमड़ रहा है, इस हादसे से सबक लेना होगा। जिससे आने वाले दिनों में कोई और अप्रिय घटना ना घटे।वहां भगदड़ से कई लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। दरअसल, आयोजन स्थल पर लोगों की संख्या को सीमित रखने या वहां पहुंचने को लेकर लापरवाही बरती गई। वहाँ भीड़ इस कदर बढ़ गई कि अफवाह से भगदड़ और रेला से उसके नीचे लोग दब गए।

इस घटना से एक बार फिर यही साफ होता है कि बड़े धार्मिक आयोजनों में पिछले बड़े हादसों से सबक लेने की आवश्यकता है कि भीड़ यदि नियंत्रित संख्या से ज्यादा हो रही है तो उसे पूर्व में ही रोका जाय। अगर प्रशासन को यह अनुमान लग जाता है कि इस आयोजन में कितने लोग आएंगे और वहां कैसे इंतजाम किए जाने की जरूरत है, तो उसी मुताबिक सावधानी बरती जानी चाहिए? यह जाहिर है कि इस तरह के धार्मिक आयोजन में भीड़ प्रबंधन और अन्य स्तर पर किए जाने वाले सुरक्षा बंदोबस्त के तकाजों की अनदेखी नहीं करना चाहिए, वरना हादसों की भेंट चढ़ जाते हैं लोग। संगम की यह दुःखद घटना एक और सबक है, जिसके बाद जहां भी ज्यादा संख्या में लोगों के जमा होने की संभावना हो, वहां प्रशासन सभी स्तर पर पूरी तरह सुरक्षा और बचाव के पूर्व इंतजाम सुनिश्चित करने के बाद ही आयोजन किया जाए। वरना हादसा होने पर प्रशासन पर आरोप लगना तय है। क्योंकि चुस्त-दुरुस्त प्रशासन पर भी हादसा होने पर लापरवाही का आरोप लग जाता है।

अफवाहों से भगदड़ में भीड़ कभी भी नियंत्रित नहीं हो सकती है। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। भीड़ में भगदड़ से लोगों का दिमाग अनियंत्रित हो जाता है। उनको सही -गलत कुछ नहीं सूझता है। बस अपनी जान की परवाह लिये भागना चाहता है। ऐसे भगदड़ में जो एक बार गिरा वह कहां उठ पाता है और बेचारा कुचला जाता है। प्रशासन को हमेशा चुस्त-दुरुस्त और मुस्तैद रहना चाहिए। हमेशा भीड़ में जाने से बचना ही श्रेयस्कर होता है। याद रखें अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

लोकेंद्र नामजोशी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हर किसी मंच संचालन का मैं तलबगार हूं....

अब आप इसे माने या न माने, लेकिन यह बात सोलह आने सच है कि वे तलबगार है। नहीं-नहीं जैसा आप सोच रहें है वैसे तलबगार नहीं ये तो खालिस मंच संचालन के तलबगार हैं। जिस प्रकार किसी बुरी लत के आदि तलबगार को बार-बार उसी बुरी आदत की तलब उठती है ठीक उसी प्रकार इन्हें मंच संचालन की तलब गाहे-बगाहे उठती रहती है। शहर में किसी भी साहित्यिक कार्यक्रम का आगाज हो वहां येन-केन प्रकार से मंच संचालन के लिए तड़प उठते है ये। ऐसी ही तड़प की वजह से धार्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मंच संचालन का 'थट्टी-ईअर्स' का एक्सपीरिएंस इनके कर्म के खाते में जमा हो गया है। हालांकि, किसी कर्म को भले ही ये माने या न माने लेकिन मंच संचालन करने से बड़ा कोई धर्म नहीं मानते। किसी 'कर्मठ' साहित्य साधक की तरह मंच संचालन करना भी साहित्यिक दायित्व समझते है अपना। वैसे अपने बाल्यकाल से ही मंच से नाता रहा है इनका। लेकिन उस वक्त उनकी यह कला अपनी शैशवकाल में थी। वे जैसे-जैसे बड़े होते गए उनकी यह कला परवान चढ़ती गई। यानी वे घर-आंगन से मंच पकड़ने का ककहरा सीखते-सीखते शहर के सार्वजनिक और साहित्यिक मंचों पर अपने संचालन की रसगंगा बहाने लगे। उसी का असर यह हुआ की मंचीय संस्कारों का हलाहल पीते-पीते उनके कंठ से निकली संचालन के अमृत की यह रसधारा कला के साथ-साथ साहित्य के तमाम मंचों को तृप्त करने लगी। धीरे-धीरे वे मंच संचालन के इतने एडिक्ट हो गए की उन्हें जहां भी मंच नजर आता वे त्वरित उत्तिष्ठ होकर वही मंच संचालन करने के लिए जागृत हो जाते है।

अब आप इसे नियती का खेल समझें या फिर मनुष्य की नैसर्गिक प्रवृत्ति का कमाल कि, जिस प्रकार किसी नए उभरते लेखक को अपने लिखे की छपास का चस्का लग जाता हे, ठीक उसी प्रकार इन सिरिमान जी को भी हर जगह मंच संचालन का चस्का लग गया। हालात यह हो गए कि, नगर के किसी भी सभागृह में कथा, कहानी, कविता का आयोजन हो, पुस्तक विमोचन हो, या फिर पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम ही हो, इन्हें लगता है कि इनके बिना सब अधुरा है। मंच संचालन करने के वास्ते, तालाब किनारे मछली पकड़ने वाले बगुले की तरह एक पांव पर तैयार खड़े रहते है ये। आजकल तो आलम यह है कि संचालन करने वास्ते पीले चांवल लेकर आने वालो की राह देखना भी गंवारा नही करते वे। बस किसी भी साहित्यिक, सांस्कृतिक सभा के कार्यक्रम की आहट सुनाई पड़ जाये गली-मोहल्ले में कही, फिर कार्यक्रम किसी की भी हो हाजिर हो जाते है। कार्यक्रम के स्टार्टिंग से स्टार्ट होकर कार्यक्रम के द एन्ड होने तक डटे रहते है। कार्यक्रम भले ही किसी ऐरे गैरे नत्थू खेरे का हो सदा मंच पर ही जमे रहते हे ये आयोजकों को इनके अलावा किसी और की मदद लेना पड़े गंवारा नहीं इन्हें। उनके संचालन के चलते कार्यक्रम भले ही मियाजी के बम की तरह फुस्स हो जाय समझोता इन्हें मंजूर नही।

यही वजह है कि, जब भी इन्हें मंच संचालन की तलब उठती है तब मंच संचालन के य तलबगार अपनी कुर्सी से उठकर खड़े होते है। फिर अपने मुहं में रखे 'बोलो जुबां केसरी' की पिचकारी से कोने की दीवाल पर पड़ोसी देश की टीम का नक्शा बनाते है। हॉल में दाखिल होते हुए कुर्सियों पर विराजमान श्रोताओं पर एक गिद्ध नजर डालते है। अपने कुर्ते पर पहनी रंगीन जैकेट को ठीक किरते है। थोड़ी अपनी बिखरी जुल्फे संवारते है। ऐनक को नाक की और ऊपर चढ़ाते है। फिर खुद मंच पर चढ़ते है। जेब से पेन और कागज निकाल कर डायस पर रखते है। फिर माईक को थोड़ा झुकाकर शुरू हो जाते है, और आखिरकार संचालन पूरा करने के बाद अपने ओंठो पर वही सदाबहार गीत 'हर हंसी चीज का मैं तलबगार हूँ' ..... कि तर्ज पर 'हर किसी मंच संचालन का में तलबगार हूँ' .... गुनगुनाने हुए पतली गली से निकल लेते हैं।

अपेक्षाएं

डॉ. भूपेंद्र कुमार

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

बजट 2025: शिक्षा, रोजगार स्वास्थ्य केंद्रित हो?

विभिन्न राज्यों द्वारा चलायी जा रही फ्रीबीज की योजनाओं पर भी अब अंकुश लगाए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। इन योजनाओं से देश के आर्थिक विकास को लाभ कम और नुक्सान अधिक होता है। केरल, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं दिल्ली की स्थिति हम सबके सामने है। इस प्रकार की योजनाओं को चलाने के कारण इन राज्यों के बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। पंजाब तो किसी समय पर देश के सबसे सम्पन्न राज्यों में शामिल हुआ करता था परंतु आज पंजाब में बजटीय घाटा भयावह स्थिति में पहुंच गया है। जिससे ये राज्य आज पूंजीगत खर्चों पर अधिक राशि व्यय नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि इन राज्यों की न तो आय बढ़ रही है और न ही बजटीय घाटे पर नियंत्रण स्थापित हो पा रहा है।

पिछले कुछ समय से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हो रहा है। यह सितम्बर 2020 तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत था जो अब गिरकर सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2019 के बजट में कोरपोरेट कर की दरों में कमी की घोषणा की गई थी, जिसका बहुत अच्छा प्रभाव विदेशी प्रत्यक्ष निवेश पर पड़ा था और सितम्बर 2020 में तो यह बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत तक पहुंच गया था। अब एक बार पुनः इस बजट में कोरपोरेट कर में कमी करने पर भी विचार किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने वाले उद्योगों को भी कुछ राहत प्रदान की जा सकती है क्योंकि आज देश में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित करने की महती आवश्यकता है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को विशेष सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। हां, साथ में तकनीकी आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा देना होगा क्योंकि वैश्विक स्तर पर भी हमारे उद्योगों को हमें प्रतिस्पर्धी बनाना है। ग्रामीण इलाकों में आज भी भारत की लगभग 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है अतः कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र में कुटीर एवं लघु उद्योगों पर अधिक ध्यान इस बजट के माध्यम से दिया जाएगा, ताकि रोजगार के अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और नागरिकों के शहर की ओर हो रहे पलायन को रोका जा सके।

भारत की 40 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना राष्ट्र के भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश है।

2025 के लिए केंद्रीय बजट के करीब आते ही, विभिन्न क्षेत्रों में उम्मीदें बढ़ गई हैं। इनमें से, शिक्षा - विशेष रूप से स्वास्थ्य शिक्षा - विशेष ध्यान देने योग्य है। हमारे युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए, सरकार को स्कूली पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा को शामिल करने के लिए धन आवंटित करने पर विचार करना चाहिए। इस तरह की पहल न केवल तत्काल चिंताओं को दूर करेगी, बल्कि विकसित भारत 2047 की आकांक्षात्मक दृष्टि के साथ भी संरेखित होगी, जहां एक स्वस्थ आबादी एक विकसित राष्ट्र की आधारशिला बन जाती है। केंद्रीय बजट 2025 के अंतिम चरण में होने के साथ, स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देने का समय आ गया है।

इस उद्देश्य के लिए धन आवंटित करना केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं है; यह भारत के भविष्य में एक निवेश है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति सहित, बार-बार यह कहा गया है कि शिक्षा में सार्वजनिक निवेश को वर्तमान 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर कुल बजटीय आवंटन का लगभग 6 प्रतिशत करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, सरकार को ऐसी योजनाएँ बनाने पर विचार करना चाहिए जो यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को प्रारंभिक अवस्था में ही स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की जाए ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके। विकास केवल आर्थिक या तकनीकी नहीं है - यह सामाजिक, सांस्कृतिक और सबसे बढ़कर मानवीय भी है।

किसी भी देश की प्रगति उसके लोगों के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है और भारत की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु की है, इसलिए इसके युवाओं का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। हमारे स्कूली पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा को व्यवस्थित रूप से शामिल किए बिना यह हासिल नहीं किया जा सकता। हमारा लक्ष्य छात्रों के स्वास्थ्य ज्ञान और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से उनके स्वास्थ्य व्यवहार में सुधार करना है। इस तरह के हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता परेशान करने वाली वास्तविकताओं में निहित है। अध्ययनों से संकेत मिलता है कि 30-40 प्रतिशत भारतीय छात्र गंभीर मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करते हैं। 2007 में किए गए एक वैश्विक स्कूल स्वास्थ्य सर्वेक्षण (GSHS) से पता चला है कि 13-17 वर्ष की आयु के 25 प्रतिशत से अधिक छात्रों ने गहरी उदासी या निराशा के दौर का अनुभव किया, जिससे अक्सर उनकी दैनिक गतिविधियाँ बाधित होती हैं। पिछले कुछ वर्षों में ये संख्याएँ और भी खराब हुई हैं, जैसा कि छोटे पैमाने पर किए गए अध्ययनों और छात्रों की आत्महत्याओं में चिंताजनक वृद्धि से पता चलता है। आज छात्रों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की अनदेखी करने से कल देश के लिए गंभीर परिणाम होंगे।

भारत और स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देने वाले देशों के बीच का अंतर बहुत बड़ा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, युवा जोखिम व्यवहार सर्वेक्षण (YRBS) हर दो साल में हाई स्कूल के छात्रों के स्वास्थ्य व्यवहार पर डेटा एकत्र करता है। यह डेटा साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेप और नीतियों को सूचित करता है जो मानसिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के सेवन, पोषण और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हैं। कई अमेरिकी राज्य मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्वास्थ्य साक्षरता को कवर करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य बनाते हैं। इसी तरह, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा जैसे देशों ने प्राथमिक स्तर से ही अपने स्कूली पाठ्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा को शामिल कर लिया है।

हालाँकि, भारत में व्यापक दृष्टिकोण का अभाव है। जबकि स्कूलों में शारीरिक शिक्षा पर जोर दिया जाता है, मानसिक और सामाजिक कल्याण को शामिल करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा की व्यापक अवधारणा काफी हद तक अनुपस्थित है। बहुप्रशंसित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 केवल शारीरिक स्वास्थ्य को छूती है, जो समग्र स्वास्थ्य शिक्षा ढांचे की महत्वपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करने में विफल है। यह क्यों मायने रखता है? क्योंकि स्वस्थ व्यक्ति एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। खराब स्वास्थ्य न केवल उत्पादकता को कम करता है बल्कि उच्च चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को वित्तीय संकट में भी डालता है।

भारत में 'पूर्ण स्वास्थ्य' की औसत जीवन प्रत्याशा मात्र 60 वर्ष है, जो जापान (74 वर्ष) और चीन (69 वर्ष) सहित कई एशियाई देशों की तुलना में काफी कम है। बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस दिशा को बदला जा सकता है। जापान जैसे देश मूल्यवान सबक देते हैं। स्वच्छता, पोषण और शारीरिक गतिविधि पर उनका जोर उनके सांस्कृतिक ताने-बाने में समाया हुआ है। बच्चे इन आदतों को अपनाते हुए बड़े होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी आबादी बनती है जो जीवन की उच्च गुणवत्ता और उत्पादक स्वास्थ्य के लंबे वर्षों का आनंद लेती है।

योग और आयुर्वेद की समृद्ध परंपराओं के साथ भारत में इस तरह के बदलाव को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक आधार मौजूद हैं। हालांकि, स्वास्थ्य शिक्षा को संस्थागत बनाए बिना, इनका कम उपयोग हो पाता है। स्कूलों में स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करने से इस कमी को पूरा किया जा सकता है।

एक व्यापक पाठ्यक्रम में शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य लचीलापन, पोषण, सामाजिक संपर्क और प्रौद्योगिकी उपयोग पर मॉड्यूल शामिल होने चाहिए। उदाहरण के लिए, छात्र संतुलित आहार के महत्व, शैक्षणिक दबाव से निपटने की रणनीतियों और शारीरिक गतिविधियों और माइंडफुलनेस प्रथाओं के लाभों को सीख सकते हैं।

पाठ्यक्रम में व्यावहारिक जीवन कौशल, जैसे निर्णय लेने की क्षमता, पारस्परिक संचार और आत्म-वकालत पर भी जोर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके। एक संरचित दृष्टिकोण आवश्यक है। सबसे पहले, सरकार को स्पष्ट प्रदर्शन मानदंडों के साथ एक मानकीकृत स्वास्थ्य शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन मुख्य चरणों में किया जाना चाहिए, जैसे कि कक्षा 6, 8 और 10 के अंत में। दूसरा, इस पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी संसाधन अंतराल को दूर करने और अभिनव समाधान प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाती है। स्वस्थ भारत ही उत्पादक भारत है। युवा पीढ़ी को उनके कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए ज्ञान और कौशल से लैस करके, हम न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुधार कर रहे हैं, बल्कि देश की मानव पूंजी को भी मजबूत कर रहे हैं, आर्थिक विकास को गति दे रहे हैं और सामाजिक खुशहाली को बढ़ा रहे हैं।

कक्षा से परे, अनिवार्य स्वास्थ्य शिक्षा के प्रभाव परिवर्तनकारी हो सकते हैं। निवारक देखभाल के महत्व को समझने वाली आबादी भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर बोझ कम करेगी। परिवार स्वस्थ जीवनशैली अपनाएंगे और समुदायों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों की कम दरों से लाभ होगा।

विकसित भारत 2047 का मार्ग ऐसी पहलों से प्रशस्त है जो नीतियों से अधिक लोगों को प्राथमिकता देती हैं, तथा आकांक्षाओं से अधिक कार्य करती हैं। स्वास्थ्य शिक्षा केवल एक विषय नहीं है; यह एक मजबूत, स्वस्थ और अधिक समृद्ध भारत की नींव है।

अनुभव

विष्णु बैरागी

लेखक स्तंभकार हैं।

आइए जानें कि सरकार कौन चलाता है, कैसे चलाता है?

यह मामला, रतलाम के एक निजी हायर सेकेण्डरी स्कूल से जुड़ा एक सच्चा मामला है। इस स्कूल की बारहवीं कक्षा में कुल जमा बीस बच्चे थे। इनके, बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के फार्म, बोर्ड के पोर्टल पर भरे जाने थे। पोर्टल खुलने के पहले दिन से लेकर पोर्टल बन्द होने के अन्तिम दिन तक स्कूलवाले कोशिश करते रहे किन्तु पोर्टल एक दिन भी नहीं खुला। फलस्वरूप एक भी बच्चे का फार्म नहीं भरा जा सका। याने, स्कूल की बारहवीं कक्षा के सारे के सारे बीस बच्चे अब नियमित परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा में नहीं बैठ सकते थे।

स्कूलवाले परेशान हो गए। घबरा गए। उनके हाथ-पाँव फूल गए। बात बच्चों के भविष्य की भी थी और अपने स्कूल की इज्जत की भी। सो, स्कूल की प्रबन्ध समिति ने तय किया कि सारे बच्चों को प्रायवेट छात्र के रूप में परीक्षा दिलवा दी जाए। समिति ने प्रति छात्र दो हजार रुपयों की फीस (कुल रुपये चालीस हजार) अपनी जेब से जमा की और सारे बच्चों को प्रायवेट परीक्षा के फॉर्म भरवा दिए।

लेकिन समितिवालों को यह बात हजम नहीं हुई। तय किया कि यह मामला ऊपर तक पहुँचाया जाए। स्कूली शिक्षा मंत्री 'अपनेवाले' ही थे। सो, पूरे घटनाक्रम के सारे दस्तावेज लेकर वे प्रदेश के मंत्रीजी के पास पहुँचे। मंत्रीजी ने पूरी बात सुनी और जैसा कि होना था, उन्होंने विभागीय सचिव और परीक्षा विभाग के सम्बन्धित अफसरों को बुलाया। पूरी समयावधि में पोर्टल एक दिन भी न खुलने का, मिनिट-मिनिट का रेकार्ड समिति ने सामने रख दिया था। पूरा मामला देख-सुन-समझकर अफसरों की जमात के हाथ-पाँव फूल गए। सबने एक स्वर में माना कि समिति की कहीं-कोई गलती नहीं थी। लेकिन अब किया भी क्या जाए? एक स्कूल के बीस बच्चों के लिए पोर्टल फिर से तो खोलना सम्भव नहीं था। हंगामा मच जाएगा! अचानक एक अफसर के मुँह से निकल गया - 'ऐसा और कहीं तो नहीं हो गया हो?'

मंत्रीजी के चेम्बर में श्मशान का सन्नाटा पसर गया। अपना सारा काम छोड़, सबके सब हरकत में आ गए। प्रदेश के सारे जिला शिक्षा अधिकारियों के फोन घनघना उठे। सबके जवाब सुन कर मंत्रीजी और तमाम अफसरों के चहरों पर हवाइयाँ उड़ने लगीं। मालूम हुआ, प्रदेश के तमाम जिलों में, कहीं कम तो कहीं ज्यादा, ऐसा ही हुआ है और पोर्टल उपलब्ध न होने के कारण सवा लाख से अधिक बच्चों को मजबूरन प्रायवेट परीक्षार्थी बनना पड़ा है।

हकीकत सामने आते ही सबकी बोलती बन्द हो गई। किसी को कुछ भी सूझ नहीं पड़ रही थी। मंत्री कहने को भले ही मंत्री या कि सरकार होता है किन्तु हकीकत में आईएएस के बताए रास्ते का यात्री ही होता है। लोहिया के शब्दों में कहें तो वह 'नौकरों का नौकर' होता है। अब स्थिति यह कि मंत्रीजी अपने विभागीय सचिव का मुँह देखें और विभागीय सचिव अपने सहयोगियों/मातहतों का! आखिरकार वही हुआ जो ऐसे वक्त में होता है। अफसरों की जमात ने एक मत से फैसला सुनाया - 'मामला भले ही सवा लाख से अधिक बच्चों का हो, लेकिन जो होना था सो हो गया। अब कुछ नहीं किया जा सकता।' अफसरों का फैसला सुनकर स्कूल समितिवालों ने सवालिया नजरों से मंत्रीजी की ओर देखा। मंत्रीजी ने (याने कि सरकार ने) थकी-हारी आवाज में कहा - 'मैं अब क्या कहूँ? सब आपके सामने है। मैं जो कर सकता था, किया।' सुनकर समितिवालों को बिल्कुल हैरत नहीं हुई। वे समझदार थे। मानकर आए थे कि यही होगा। वे तो अपनी तसल्ली के लिए आए थे कि उन्होंने अपने स्तर पर पूरी कोशिश की। वे मंत्रीजी को धन्यवाद देकर लौट आए।

लेकिन समिति के सचिव को नींद नहीं आई। बच्चों का साल तो बच गया था लेकिन उन्हें यह बात खाए जा रही थी कि बच्चों को और समिति को उस कुकर्म की सजा भुगतनी पड़ रही थी जो उन्होंने किया ही नहीं था। इससे भी ज्यादा यह बात खटक रही थी कि 'शासन और प्रशासन' अपनी गलती तो मान रहे हैं किन्तु उसे सुधारने को तैयार नहीं। सचिव को चैन नहीं पड़ रहा था। उन्होंने समिति के सदस्यों से बात की और प्रभावित बीसों बच्चों के पालकों की बैठक बुलाई। उनके सामने विस्तार से पूरा घटनाक्रम और सारे दस्तावेज रखे और कहा कि वे (समस्त पालक) कलेक्टर को स्कूल की शिकायत करें कि स्कूल प्रबन्धन ने उनके बच्चों को 'नियमित परीक्षार्थी' की हैसियत (स्टेटस) से वंचित कर, बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। इस अपराध के लिए स्कूल पर कड़ी से कड़ी दण्डात्मक कार्रवाई की जाए।

पालकों ने कलेक्टर की जन सुनवाई में अर्जी लगाई। कलेक्टर ने स्कूलवालों को नोटिस दिया। नोटिस के जवाब में स्कूल समिति ने अपना पक्ष रखा। कलेक्टर ने तत्काल मान लिया कि समिति ने कोई अपराध नहीं किया। इससे आगे बढ़कर कलेक्टर ने, अपने माथे आर्थिक बोझ झेलकर बच्चों का साल बचाने के लिए समिति की प्रशंसा की। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को मामला सौंपा और कहा - 'पालकों और समिति की कोई गलती नहीं है। इन्हें न्याय दिलाइए।' लेकिन जहाँ विभागीय सचिव स्तर का आईएएस इंकार कर चुका हो वहाँ डीईओ की क्या बिसात!

लेकिन डीईओ को कुछ तो करना ही था। उन्होंने समझदारी बरती। कलेक्टर को साफ-साफ कह दिया कि जिला स्तर पर कुछ नहीं होना-जाना। जो भी होना है, भोपाल से ही होगा। कलेक्टर को भी बात समझ में आ गई।

स्कूल समिति के सचिव की यह बात कलेक्टर के गले उतर गई थी कि बच्चों और स्कूल को अकारण ही सजा भुगतनी पड़ रही है। कलेक्टर ने इस मामले को 'अपना मामला' माना और पूरी फाईल लेकर, सारे शिष्टाचार (प्रोटोकॉल) को परे धकेल कर सीधे मुख्यमंत्री से मिले और पहली ही बात कही - 'सर! अपनी ओर से गलती तो हुई है। यह केवल रतलाम का मामला नहीं है। प्रदेश के सवा लाख बच्चों का मामला है। जो भी करना है, आपको ही करना है। यदि आप स्कूल एज्यूकेशन सेक्रेटरी का ओपीनियन लेंगे तो आपको इंकार ही सुनने को मिलेगा क्योंकि वे तो एज्यूकेशन मिनिस्टर को पहले ही अपना ओपीनियन दे चुके हैं। वे ओपीनियन बदलेंगे तो उनकी हेठी होगी। इसलिए, यदि कुछ करना है तो आप सीधे-सीधे दो-टूक आदेश कीजिए।'

मुख्य मंत्री को बात जँच गई। उन्होंने कलेक्टर से ही पूछ लिया - 'तो आप ही बताइए, क्या किया जाए?' कलेक्टर मानो इस सवाल के लिए रतलाम से ही तैयार हो कर चले थे। तत्क्षण, बिना सोचे (विदाउट थॉट) बोले - 'पूर्व घोषणा करके, कम से कम तीन दिनों के लिए पोर्टल खुलवा दीजिए और बच्चों का जो पैसा लगा है, वह लौटा दीजिए।'

मुख्य मंत्री ने रतलाम कलेक्टर की बात ज्यों की त्यों मान ली। पोर्टल तीन दिन के लिए खोला गया और मजबूरी में प्रायवेट परीक्षार्थी बने, सवा लाख से अधिक बच्चों को नियमित परीक्षार्थी का सम्मान मिल गया।

कहने को तो किस्सा खतम हुआ। लेकिन किस्से का मर्म यह कि पोर्टल न खोल पाने की सलाह भी 'आईएएस' ने दी थी और पोर्टल खोलने की सलाह भी आईएएस ने दी थी। पहली बार में विभागीय मंत्री को अपनी ओर से कुछ नहीं सूझा था। आईएएस की सलाह मानी थी और दूसरी बार में भी मुख्य मंत्री ने भी अपनी ओर से कुछ नहीं सोचा। आईएएस की ही सलाह मानी।

सरकार कौन चलाता है, कैसे चलाता है या कि सरकार कैसे चलती/चलाई जाती है, इसका यह एक नमूना है। विश्वास कीजिए, यह इकलौता नमूना नहीं है। आप यदि कभी सत्ता के गलियारों में झाँकें तो ताज्जुब मत कीजिएगा यदि तमाम गलियारों में ऐसे नमूनों के ढेर लगे मिलें।

और हाँ! इस मामले से जुड़े सारे पात्र जीवित हैं। उनके बारे में जानने के लिए आपको मुझसे मिलना पड़ेगा।

किताब चर्चा : राधालैंड एंड वर्ल्ड बियांड

अंशुमान

लेखक देश के संसदीय चैनल में पत्रकार हैं।

जीवन, प्रेम और अस्तित्व के सवालों पर नए दृष्टिकोण से विचार

'राधालैंड एंड वर्ल्ड बीयांड' रमाकांत रथ द्वारा लिखी गई एक अनूठी और विचारशील पुस्तक है, जो एक नए दृष्टिकोण से जीवन, प्रेम और अस्तित्व के सवालों पर विचार करती है। यह किताब न केवल साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि इसमें एक गहरी सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना भी समाहित है। पुस्तक का शीर्षक ही अपने आप में काफी आकर्षक और रहस्यमय है। 'राधालैंड' और 'वर्ल्ड बियांड' जैसे शब्द एक ऐसी दुनिया की ओर इशारा करते हैं, जो बाहरी वास्तविकता से परे एक और आंतरिक या आध्यात्मिक सत्य की ओर ले जाती है। यहां राधा हर वह स्त्री है, जो भारतीय संस्कृति और मिथक में एक आध्यात्मिक प्रतीक हैं, यहाँ एक गहरी, प्रतीकात्मक यात्रा के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं, जहाँ प्रेम, समर्पण और आत्मा का मिलन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

'राधालैंड एंड वर्ल्ड बियांड' में राधा को केवल एक धार्मिक या प्रेमिका के रूप में नहीं, बल्कि एक दार्शनिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। राधा का अस्तित्व प्रेम, तप, समर्पण और आध्यात्मिक मुक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। रथ ने राधा के माध्यम से जीवन और प्रेम के उन पहलुओं की खोज की है, जो पारंपरिक धार्मिक विचारों से परे हैं। वे राधा को एक आदर्श रूप में प्रस्तुत करते हैं, जो न केवल ब्रह्मा या कृष्ण के साथ एक रिश्ते में बंधी है, बल्कि जीवन के शाश्वत सत्य के साथ भी जुड़ी हुई है।

इस पुस्तक में 'वर्ल्ड बियांड' यानी पारलौकिक या आध्यात्मिक संसार का विचार भी प्रमुख रूप से सामने आता है। रथ का मानना है कि हमारे भौतिक जीवन के पार एक अन्य संसार भी है, जो हमारे कर्मों और विचारों से प्रभावित होता है। वे इस पारलौकिक दुनिया को न केवल एक परलोक के रूप में, बल्कि जीवन के दूसरे आयाम के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जहां प्रेम, समर्पण और सत्य का वास्तविक रूप प्रकट होता है। रमाकांत रथ ने अपनी लेखनी में गहरे दार्शनिक प्रश्नों का सामना किया है। वे हमारे सामाजिक और मानसिक दायरों से परे जाकर एक निराकार और सशक्त जीवन को चित्रित करते हैं। राधा के माध्यम से प्रेम की वास्तविकता, आत्मा के उत्कर्ष की दिशा, और संसार के पार के अस्तित्व की स्थिति को परिभाषित किया गया है। यह किताब उन पाठकों के लिए है जो न केवल प्रेम और आध्यात्मिकता में रुचि रखते हैं, बल्कि जो जीवन के पारंपरिक और दार्शनिक पहलुओं पर भी गंभीर विचार करना चाहते हैं।

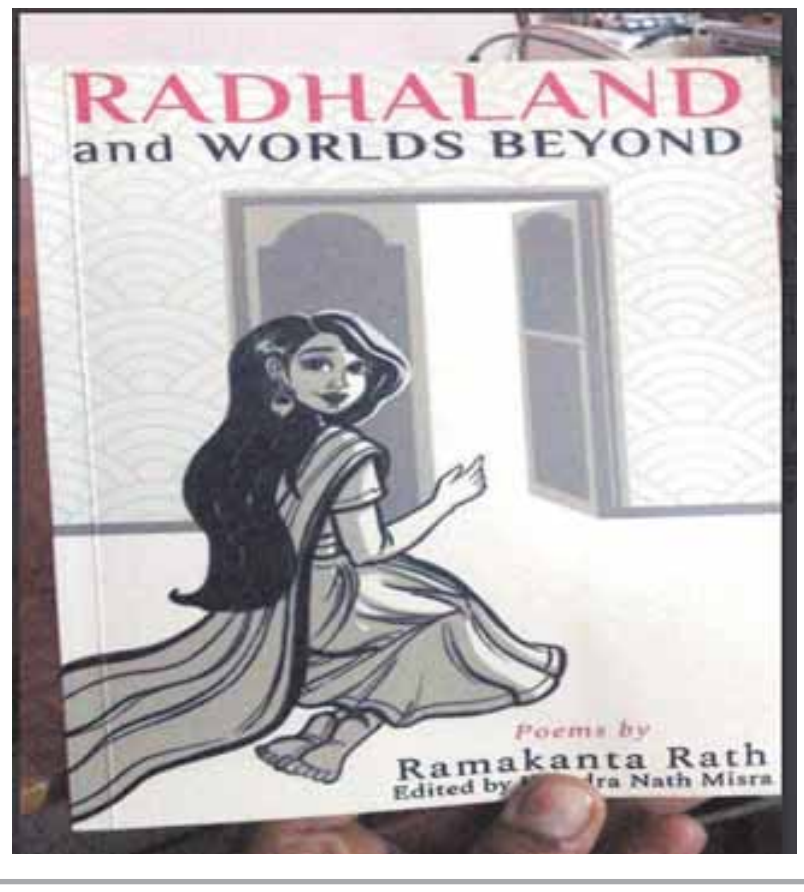

रथ की कविताओं में भावनाओं का एक गहरा रंग देखने को मिलता है। वे प्रेम, अकेलेपन, आशा, और निराशा जैसी भावनाओं को पूरी गहराई के साथ चित्रित करते हैं। उनकी कविताएँ न केवल शब्दों के रूप में बसी होती हैं, बल्कि वे पाठकों को मानसिक और आत्मिक स्तर पर भी प्रभावित करती हैं। यह काव्य एक ऐसी यात्रा की तरह है, जो पाठकों को खुद के भीतर झांकने और आत्मनिरीक्षण करने की प्रेरणा देती है।

रमाकांत रथ की लेखन शैली बहुत ही लयात्मक, विचारशील और भावनात्मक है। वे शब्दों का चयन करते हुए उन्हें एक गहरी अर्थव्यवस्था में प्रस्तुत करते हैं, जो पाठकों को एक आत्मिक अनुभव की ओर उन्मुख करता है। उनकी कविता न केवल सतही भावनाओं को व्यक्त करती है, बल्कि वह पाठकों को जीवन के गहरे अर्थों में खो जाने का एक मार्ग भी प्रदान करती है। रमाकांत रथ ने शब्दों का चयन इस प्रकार किया है कि हर वाक्य में गहराई और रहस्यपूर्णता का अहसास होता है। उनकी कविताओं की तरह ही, इस पुस्तक में भी हर वाक्य और पंक्ति में जीवन की अनगिनत परतें दिखाई देती हैं।

किताब के संपादक और अनुवादक डॉ जितेंद्रनाथ मिश्र ने कविताओं का अनुवाद करते समय मूल कविता के भाव को वैसे ही जीवंत रहने दिया है जो मूलभाषा में है। डॉ मिश्रा की लेखनी में एक विशेष आकर्षण है, जो हर पाठक को अपनी ओर खींच लेती है। अनुवाद करते समय चुने गये शब्दों में एक ऐसी गहराई और सटीकता है, जो विचारों को न केवल व्यक्त करती है, बल्कि उन्हें नई दिशा भी देती है। अनुवादक की सोच की नजाकत और संवेदनशीलता की कोई तुलना नहीं है।

'राधालैंड एंड वर्ल्ड बियांड' रमाकांत रथ की कविता का एक अद्वितीय संग्रह है, जो जीवन और प्रेम के गहरे पहलुओं को उजागर करता है। रथ ने इस पुस्तक के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि कविता केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आंतरिक यात्रा है, जो पाठकों को अस्तित्व, प्रेम, और आध्यात्मिकता के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करती है। यह पुस्तक उन सभी पाठकों के लिए एक अमूल्य धरोहर है, जो जीवन के असल अर्थों को समझने के इच्छुक हैं।

गंभीर चोटे आने पर पुलिस ने घायल को अस्पताल में कराया था भर्ती

अभी नागपुर के एम्स अस्पताल में चल रहा इलाज, विवाद के चलते भाई-भतीजे ने पिटाई कर ग्राउंड में फेंका, पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

बैतूल। सांईखेड़ा पुलिस ने हत्या का प्रयास करने वाले आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस विभाग के जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 28 जनवरी को प्रातः 7.30 बजे 100 डायल को सूचना मिली थी कि ग्राम बिरुल बाजार के क्रिकेट ग्राउंड के पास एक अज्ञात व्यक्ति गंभीर हालत में पड़ा हुआ है। व्यक्ति के शरीर पर केवल बनियान, अंडरवियर एवं लुंगी थी। उसके दाहिने कान के पास एवं सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोट के निशान थे, जिससे खून बह रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पाया कि व्यक्ति की सांसें चल रही थीं। घायल व्यक्ति की पहचान संदीप पिता पूंजाराव वाडबुदे निवासी बिरुल बाजार के रूप की गई। 100 डायल ड्यूटी में तैनात आरक्षक प्रमोद थोरात की सहायता से घायल को तुरंत जिला चिकित्सालय बैतूल में भर्ती कराया गया। थाना साँईखेडा में धारा 109, 238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

भाई-भतीजे ने पिटाई कर फेंका था ग्राउंड में- ग्राम कोटवार नारायण डोंगरे से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित का अपने भाई सुनील वाडबुदे से विवाद चल रहा

था। पुलिस ने सुनील पिता पुंज्याराव वाडबुदे (47) से पूछताछ की, तो उसने स्वीकार किया कि 27 जनवरी को रात्रि लगभग 10 बजे उसने अपने पुत्र भूपेश वाडबुदे के साथ मिलकर संदीप की बांस के डंडे से पिटाई की और उसे मोटरसाइकिल पर ले जाकर क्रिकेट ग्राउंड के पीछे फेंक दिया। पुलिस ने मोटरसाइकिल एमपी 48 एन 6998 को जब्त कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। वर्तमान में घायल संदीप वाडबुदे का इलाज नागपुर के एम्स अस्पताल में चल रहा है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका- हत्या का प्रयास करने वाले आरोपियों को पकड़ने में साईंखेड़ा थाना प्रभारी राजन उइके, उपनिरीक्षक पूनमचंद साहू, प्रधान आरक्षक विनय जायसवाल, बलवीर मर्सकोले, आरक्षक अविनेश, प्रमोद, विनोद, अमित, विकास, संतराम उइके, कुमेश, देवेन्द्र, रंजीता, सैनिक चंद्रभान सोनारे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

खेत से लौटते वक्त किसान की बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

बैतूल। खेत से लौटते वक्त अज्ञात वाहन ने किसान की बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उसे गंभीर चोटे आई। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां गुरूवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार शाम को संजय पवार(34) खेत से घर लौट रहा था, तब किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे किसान बाइक समेत उछलकर दूर गिर गया। गंभीर हालत में संजय को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में संजय को सिर पर गंभीर चोट आई थी और उनका एक हाथ भी टूट गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी हालत नाजुक बनी रही और उनकी मौत हो गई।

तीन सप्ताह का अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र निर्माण में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विशेष योगदान होने वाला है इसके लिए भारत का सशक्त और अंतरिक्ष प्रौद्योगिक के उन्नत ज्ञान ये युक्त भारत का युवा मानव संसाधन तैयार करने के लिए के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, (इसरो) अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान के एडुसैट एवं म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के एडुसैट प्रभाग निरंतर एडुसैट प्रशिक्षणो के माध्यम से कार्यशील है इसी कड़ी में 'अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य' विषय पर अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) कार्यक्रम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के शोधार्थी, फैकल्टी, वैज्ञानिक एवं विधार्थियो के लिए एडुसैट ऑनलाइन के माध्यम से दिनांक 09 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ । इस प्रशिक्षण का शुभारम्भ दिनांक 09 जनवरी 2025 श्री एस सोमनाथ जी चेयरमैन इसरो /सचिव डिपार्टमेंट ऑफ़ स्पेस भारत सरकार के उद्घाटन उध्बोधन एवं मार्गदर्शन से शुरू हुआ था। म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् में इस प्रशिक्षण का समन्वयन श्री शैलेन्द्र सिंह डाबी, प्रधान वैज्ञानिक एवं मेपकॉस्ट एडुसैट प्रभारी द्वारा किया गया। तीन सप्ताह के इस अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) कार्यक्रम में चार सेशन (सेशन -1 मेजर मिलेस्तोनेस फॉर स्पेस विज़न 2047, सेशन -2 स्टेप्स टुवर्ड्स स्पेस विज़न 2047, सेशन -3 सपेस एक्सप्लोरेशन फ्रॉम डिफरेंट वांटेगे पॉइंट्स एवं सेशन -4 इनेबलिंग टेक्नोलॉजीज फॉर फ्यूचर स्पेस एक्सप्लोरेशन) के अलावा इंट्रोडक्शन व्यख्यान भी आयोजित किया गया था। जिसमे इसरो के विशिष्ट वैज्ञानिको के द्वारा संबंधित विषयो पर विशेष व्याख्यान एवं प्रजेंटेशन हुए। इस कार्यक्रम में इसरो के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों एवं इसरो के विभिन्न प्रोजेक्टों और मिशनों में कार्यरत विशिष्ट वैज्ञानिको का मार्गदर्शन प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ। इसरो के पास एक सक्रिय अंतरिक्ष विज्ञान कार्यक्रम है, जो ग्रह विज्ञान और अन्वेषण, खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, हीलियोफिजिक्स / सूर्य-पृथ्वी संपर्क, वायुमंडलीय विज्ञान, और नए मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के हिस्से के रूप में उत्पन्न होने वाले माइक्रोग्रैविटी प्लेटफार्मों द्वारा संचालित अनुसंधान सहित अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान के विभिन्न डोमेन को कवर करता है। अंतरिक्ष विज्ञान में विस्तारित कार्यक्रमों के तहत, इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में मानव संसाधन तैयार करने, अंतरिक्ष अन्वेषण मिशन डेटा के उपयोगकर्ता आधार का विस्तार करने और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए शिक्षाविदों से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। भारत को विकसित बनाने के लिए अंतरिक्ष विज्ञान के माध्यम से 2047 तक चलने वाली मिशनों के अनुभवी निदेशकों, वैज्ञानिको एवं तकनीकी विद्वानों ने अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी में आवश्यक अनुसन्धान पर भी विस्तार से परिचर्चा की गयी भारत में इस दिशा में सक्षम मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री ए एस किरण कुमार चेयर पर्सन अपैक्स साइंस बोर्ड इसरो एंड पूर्व चेयरमैन इसरो नेविशेष व्यख्यान दिया और श्री विक्टर जोसफ तकनीकी सचिव इसरो ने कार्यक्रम का परिचय एवं तकनीकी दिशा पर व्याखायें दिया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र के शुरुआत में श्री तीर्थप्रतिम दास, डायरेक्टर एसपीओ इसरो ने इंडियन स्पेस साइंस एक्सप्लोरेशन- पास्ट,परसेंट एवं फ्यूचर : कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ 2025 विषय पर उद्बोधन दिया।

चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुंभ मेला विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 07079/07080 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन 01-01 ट्रिप चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 07079 चर्लपल्ली-दानापुर कुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 07079 चर्लपल्ली-दानापुर कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 05 फरवरी 2025 (बुधवार) को चर्लपल्ली स्टेशन से दोपहर 15.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 06.05 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए उसी दिन रात 23.00 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 07080 दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन (01 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 07080 दानापुर-चर्लपल्ली कुंभ मेला विशेष ट्रेन दिनांक 07 फरवरी 2025 (शुक्रवार) को दोपहर 15.00 बजे दानापुर स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 07.10 बजे इटारसी एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए उसी दिन रात 23.45 बजे चर्लपल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में जंगाओं, काज़ीपेट जंक्शन, पेद्दापल्ली, रामगुंडम, मंचेरियल, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में भाग लेने जिले के विद्यार्थी इंदौर रवाना

बैतूल। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए बैतूल जिले के समस्त स्कूलों के प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शी शिक्षकों का दल इंदौर के लिए रवाना हुआ। इस दल को डीपीसी बैतूल जितेन्द्र भनारिया एवं एपीसी, बीआरसी एवं अन्य शिक्षकों द्वारा मिठाई खिलाकर तथा तिलक लगाकर इंदौर के लिए रवाना किया गया। गौरतलब रहे कि इस दल में शासकीय उ.मा.वि. भड़ूस के विद्यार्थी तुषार पिता गणेश पंवार का चयन भाषण संगोष्ठी हेतु राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस अवसर पर शिक्षकों एवं पालकों ने विद्यार्थियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं सफलता प्राप्त करते के लिए अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की है।

बालाजीपुरम में बगलामुखी देवी की प्राण प्रतिष्ठा प्रारंभ

बैतूल। भारत के पांचवें धाम श्री रुक्मणि बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में बगलामुखी देवी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 30 जनवरी को प्रातः आरंभ हुई। इस संबंध में बालाजी मंदिर के प्रमुख पुजारी असीम पंडा स्वामी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश से पंडितों का दल आया हुआ है। वहां के बगलामुखी मंदिर के समान ही चित्रकूट धाम में बगलामुखी देवी का मंदिर तैयार किया गया है। यहां 11 दिनों तक देवी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया होगी। इसमें प्रतिदिन हवन पूजन आरती की जाएगी। बालाजीपुरम संस्थापक सैम वर्मा ने सभी देवी भक्तों से इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

जलकर एवं संपत्ति कर वृद्धि के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

कर वृद्धि वापस लिए जाने की मांग

बैतूल/मुलताई। हाल ही में नगर परिषद मुलताई की बैठक में लिए गए प्रस्ताव जलकर एवं संपत्ति कर वृद्धि के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मुलताई एवं नपा मुलताई के पार्षदों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम ज्ञापन उनकी अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार को सौंप, जलकर एवं संपत्ति कर के निर्णय को वापस लिए जाने की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 28 जनवरी 2025 को नियम कानून को ताक पर रखकर नगरपालिका परिषद की बैठक आयोजित की गई। नियमानुसार पार्षदों को बैठक की सूचना 7 दिन पूर्व देना आवश्यक है, लेकिन पार्षदों को इसकी सूचना एक दिन पूर्व दी गई एवं कांग्रेस के पार्षदों के जनहित के प्रस्ताव भी बैठक के एजेंडे में नहीं रखे गए।

अध्यक्ष एवं पार्षदों ने मनमानी करते हुए जलकर में 50 प्रतिशत एवं सम्पत्ति कर में 17 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर महंगाई की मार से जूझ रही जनता पर एक ओर बोझ लाद दिया है। पूर्व अध्यक्ष नीतू प्रहलादसिंह परमार के कार्यकाल में हरदौली डेम का पानी मिलने के बाद भीषण गर्मी के मौसम में भी एक दिन के

अंतराल में पेयजल सप्लाई किया गया वही वर्तमान में नगर वासियों को चौथे दिन केवल 40 मिनट पेयजल सप्लाई किया जा रहा है। नगर की वर्षों पुरानी क्षतिग्रस्त पाईप लाईन लिकेज होने के कारण नालियों का दुषित पानी पाईप लाईन मे जा रहा है, जिसके कारण जनता दुषित पानी पिने के लिए मजबुर है। नगरपालिका द्वारा पर्याप्त पेयजल का इंतजाम करने की जगह करों में बेहताशा वृद्धि कर एंव सम्पत्ती सहित अन्य करों में वृद्धि कर से आम जनमानस को परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है, कि इन जनविरोधी प्रस्तावों को एक सप्ताह के भीतर वापस लिए जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी इन जनविरोधी प्रस्तावों के विरोध में सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगी जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नीतू प्रहलाद परमार, महिला पार्षद अंजलि सुमित शिवहरे,साजिदा शेख जाकिर, वंदना नितेश साहू,निर्मला उबनारे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य कमल सोनी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशोर सिंह परिहार,सुमित शिवहरे ,कुणाल सिंह ठाकुर ,आशीष सोनी, टीनू मिश्रा, रितेश शर्मा आदि प्रमुख है।

नोटिस चस्पा किए जाने के बाद भी नहीं टूट पाई दुकान आखिर वजह क्या...?

नर्मदापुरम- संजीव डे राय। अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई करने का नोटिस दिया जाने/चस्पा किया जाने के बाद भी अगर अतिक्रमण हटाने कारवाई नहीं हो पाएं तो इसे क्या कहा जाएगा ..? इस सवाल पर बुद्धिजीवी चिंता करने लगे और सोशल मीडिया पर टिप्पणियों की बाढ़ आ निकली... प्रशासन कमजोर है या संवैधानिक उत्तरदायित्व पूरा करने का उसमें साहस नहीं..? जिस पर अंगुली उठाना मजबूरी हो गई। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि जब नगरपालिका अपनी जमीन से अतिक्रमण हटा नहीं पा रही तो राजनीतिक संरक्षण वाले मेडिकल स्टोर को उसने 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने का नोटिस कैसे दे दिया..! अतिक्रमण कारी द्वारा नोटिस नहीं लेने पर नपा ने दुकान पर नोटिस चस्पा कर किया। 24 घंटे समाप्त हुए नोटिस चस्पा किए अब 168 घंटे निकल चुके मेडिकल स्टोर वाले ने अतिक्रमण तो नहीं हटाया मेडिकल चला रहा और शांति है..? वैसे तो नपाध्यक्ष रही श्रीमती मीना वर्मा के कार्यकाल में इस अवैध दुकान का जन्म हुआ था लेकिन विवाद होने की दशा में इसे कुछ अवशेषों के साथ जेसीबी से तोड़ कर उस समय छोड़ी दी थी, नासूर बनकर अब नाक का सवाल है..? कांग्रेस सांसद रहे राव उदयप्रताप सिंह का भाजपा में शामिल होते समय भाजपा में शामिल हुई महिला कांग्रेस नेत्री को शायद राव उदयप्रताप का यह उपहार पर प्रशासन के गाल पर तमाचा..? प्रशासन के लिए मीनाक्षी चौक पर रमीज अली की अवैध दुकान का मामला ठीक वैसा ही सवाल है जैसे नगरपालिका की जमीन पर बने अवैध काम्प्लेक्स और शैक्षणिक संस्था का है.. ये दोनों अवैध निर्माण शिक्षा मंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की नाक का सवाल बन चुके। फर्क इतना ही है कि रमीज अली को नोटिस चस्पा किया जा चुका है और नर्मदा शिक्षा समिति को नगरपालिका नोटिस जारी नहीं कर पा रही फिर दोनों अतिक्रमण तुड़वाने में भाजपाईयों का मतामत एक नहीं.. नगरपालिका की जमीन के मामले में हालांकि एक सप्ताह पहले ही भाजपा झुग्गी झोंपड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अखिलेश खंडेलवाल, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पूर्व पार्षद पंकज पांडे , वरिष्ठ भाजपा नेता हंस राय ने नपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। इसलिए विधायक खेमे ने प्रभारी मंत्री से मुख्य नगरपालिका अधिकारी के स्थानांतरण की मांग करने के बाद उनकी चिरौरी शुरू कर दी शायद 168 घंटे बीतने के बाद भी रमीज अली की दुकान नहीं तोड़ने का यह रहस्य हो।

राजस्व, पुलिस, नगरपालिका सहित जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे : भवानी शंकर

नर्मदापुरम। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा ने आखिर तेवर बदलते हुए पहली मर्तबा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को लिखे पत्र में जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे का जिक्र किया है। अपनी लिखी चिट्ठियों से सभी को चौंकाने वाले पं भवानी शंकर शर्मा ने आज एक बार फिर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को चिट्ठी लिखकर नर्मदा घाट सड़क पर निरीक्षण करने को कहा है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि यह रास्ता निरंतर दुर्गम

होते जा रहा स्थित भयावह है। अराजकता की स्थिति है राजस्व, पुलिस, नगरपालिका कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं न कोई जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दे रहा। श्री शर्मा ने अपने पत्र में आगे लिखा कि बाजार क्षेत्र में नये बन रहे भवन निरंतर दो और तीन फुट आगे बढ़कर बनाए जा रहे हैं इसे रोकने वाला कोई नहीं बताया है। फिर आगे बढ़ी हुई दुकानों के आगे बैठने के लिए बेंच रखकर गाड़ियां दो से तीन लाईन में खड़ी होती है। भवानी शंकर शर्मा के इस पत्र लिखने से प्रशासन में भले ही खलबली नहीं हो लेकिन आम नागरिकों में पत्र से खलबली जरुर दिखाई दे रही है। जिसमें पहली बार डरते हुए विधायक छोटे भाई पर व्यवस्था का दोष सीधे नहीं मढ़ते हुए जनप्रतिनिधि शब्द का उल्लेख करते हुए राजस्व, पुलिस और नगरपालिका का भी ध्यान नहीं इंगित किया है। लोग श्री शर्मा की लिखी चिट्ठी का चटखारे से मजा ले ले कर कह रहे कि लोग तो अपनी जमीन पर नये भवन तीन चार फुट आगे बढ़ाकर बना रहें हैं लेकिन आपने तो नगरपालिका की जमीन पर ही अवैध सल्तनत खड़ी कर डाली..

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सांसद, कलेक्टर को सौंपा मांगपत्र

बैतूल। अखिल भारतीय आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स फेडरेशन के आव्हान पर 29 जनवरी को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन सीटू की जिलाध्यक्ष सुनीता राजपाल और महासचिव पुष्पा वाईकर के नेतृत्व में एकजुट होकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। कार्यकर्ताओं ने अपर कलेक्टर बैतूल को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम ज्ञापन सौंपा, साथ ही क्षेत्रीय सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री डी डी उइके के कार्यालय जाकर उनके पीए और डीपीओ महिला एवं बाल विकास अधिकारी को भी

अपनी मांगों से अवगत कराया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से आईसीडीएस (समेकित बाल विकास सेवा) का संस्थागतकरण करने और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को नियमित करने के लिए वार्षिक बजट में बढ़ोतरी की मांग की गई। आईसीडीएस के बजट में लगातार की जा रही कटौती को तुरंत रोकने और इसमें पर्याप्त राशि बढ़ाने पर जोर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ग्रेच्युटी और न्यूनतम वेतन के साथ नियमितीकरण के फैसले को केंद्र सरकार द्वारा लागू न करने पर आक्रोश जताया गया और इसे शीघ्र लागू करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाए, जैसे कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के लिए किया गया है। इसके अलावा, वेतन, भत्ते, किराया, मोबाइल रिचार्ज सहित सभी बकाया राशि का शीघ्र भुगतान करने और पेंशन योजना लागू करने की मांग रखी गई। आईसीडीएस का किसी भी प्रकार से निजीकरण न किया जाए और इसे कमजोर करने वाले सभी कदम वापस लिए जाएं। लाभार्थियों को सीधे नगद हस्तांतरण योजनाओं के लाभ के लिए आधार जोडने, योजनाओं के डिजिटलीकरण के नाम पर लक्ष्यीकरण और निगरानी, केंद्रीकृत रसोई की शुरुआत तथा नियमितीकरण पर रोक लगाने सहित 14 सूत्रीय मांगें ज्ञापन में शामिल रहीं। इस अवसर पर सीटू के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कामरेड कुंदन राजपाल, यूनियन की कोषाध्यक्ष संगीता कनाठे, सचिव सुनीता तिवारी, उपाध्यक्ष आशा सुरजे, रामकली मर्सकोले, गोदिका डोंगरे, प्रमिला निरापूरे, मीनाक्षी बागमोडे सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

प्राइवेट स्कूल संचालकों ने एक दिवसीय हड़ताल कर अपनी मांगों के लिए ज्ञापन दिया

देवास। अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संघ एवं संयुक्त अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संगठन जिला देवास के समस्त विद्यालय संचालकों द्वारा प्रदेश स्तरीय संगठन के आव्हान पर एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल कर स्कूल बंद रखकर मुख्यमंत्री के नाम मान्यता नवीनीकरण एवम नवीन मान्यता नियमों में विसंगतियों के विरोध में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, शिक्षामंत्री व राज्य शिक्षा केन्द्र के नाम जिला शिक्षा अधिकारी देवास को सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से रजिस्टर्ड किराया नामा समाप्त करने हेतु , पोर्टल शुल्क 12,000 समाप्त करने हेतु, एफ डी 40,000 समाप्त करने हेतु मांग की गई साथ ही मांग की गई कि आर टी ई अंतर्गत पढ़ने वाले छात्र छात्राओ की विगत दो वर्ष की फीस प्रतिपूर्ति कर भुगतान किया जाए। इन सभी मांगों को लेकर अशासकीय शिक्षण संस्था संचालक संघ सचिव दिनेश मिश्रा व संयुक्त अशासकीय शाला संगठन देवास अध्यक्ष आशीष सिंह रघुवंशी अशासकीय विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सोपा गया। ज्ञापन का वाचन सचिव दिनेश मिश्रा द्वारा किया गया। ज्ञापन में मुख्य रूप से सुरेश चव्हाण, श्याम बाबू बघेल, जिला कोषाध्यक्ष आदित्य दुबे प्रवक्ता, महेंद्र सिंह गहलोत, समाधान गौतम, जितेन सिंह सेंधव, मंगेश शर्मा, विनीत कुशवाहा, लेखराज जी, रितेश मिश्रा, सुशील मिश्रा, जितेंद्र त्रिवेदी, चेतन पचौरी, कीर्ति चव्हाण, प्रकाश चव्हाण, प्रेमपाल सेंधव, दिनेश बैरागी, जितेंद्र तिवारी, शकील कादरी, लखनलाल मालवीय, स्वप्निल वर्मा, अनिल शर्मा, नारायण सिंह , सुरेश चौहान, फारूक पठान, शाहनवाज अली, जितेंद्र वर्मा, भीम सिंह नागर, प्रभात माचवे, प्रवीण शुक्ला, सय्यद सदाकत अली, विनीत कुशवाहा सतीश, दुबे पी एन शुक्ला, ममता सिंह, अजीत सिंह ठाकुर, एडवोकेट राहुल पुष्पद, सहित सैकड़ो की संख्या में विद्यालय संचालक उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी आशासकिय शिक्षण संस्था संचालक संगठन के जिला अध्यक्ष आशीष सिंह रघुवंशी द्वारा दी गई।

फूटी पाइप लाइन पूरी तरह सुधर नहीं पाई..

नर्मदापुरम। नर्मदा जल सप्लाई की मुख्य पाइप लाइन फूट जाने का खामियाजा नगरवासियों को जल संकट से उठाना पड़ रहा है। एक सप्ताह हो चला ऐयरटेल वालों द्वारा तोड़ी गई सप्लाई लाइन अभी तक ठीक नहीं हो पाई। इंजीनियरों ने मुख्य पाइप लाइन किस तरह जोड़ी जिससे पानी लगातार लीक हो रहा जिससे पानी गड्ढे में भरा दिखाई दे रहा संभावना बताई जा रही है इस काम को जल्दी ठीक कर लिया जाएगा। आश्चर्य और अचंभित करने

वाली बात तो यह है कि ऐयरटेल वालों द्वारा डेमेज की गई पाइप लाइन की स्थिति का जायजा लेने न तो घटना स्थल पर नपाध्यक्ष पहुंची ना मुख्य नगरपालिका अधिकारी जबकि वार्ड नंबर दो में बन रही सड़क की गुणवत्ता और निर्माण देखने नगरपालिका के दोनों जिम्मेदारों ने शिरकत कर मीडिया में इसका प्रचार करने में देरी नहीं लगाई।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरूवार को 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर पार्टी द्वारा गठित प्रदेश स्तरीय टोली की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर टोली के संयोजक एवं सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री रोहित आर्य एवं सह संयोजक व इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव भी उपस्थित रहे।

भारत का खोया हुआ भाई लगता है जापान: मुख्यमंत्री

हर काल और हर युग में भारत और जापान के संबंध रहे हैं बेहतर

जापान और भारत में शोषण नहीं दोहन की भावना से होता है काम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जापान और भारत की कई अनुकूलताएं समान हैं। यहाँ की सूर्यनारायण संस्कृति हो या गौतम बुद्ध के बताये मार्ग, दोनों ही देशों में समान रूप से दिखाई देते हैं। इन दोनों देशों की आत्मीयता देखकर यह भी कहा जा सकता है कि जैसे भारत और जापान दो बिछड़े भाई हों। जापान जीवन के प्रति आस्था का प्रतीक भी है। यहाँ के नागरिकों से काम की गुणवत्ता, कर्त्तव्यनिष्ठा और कर्मशीलता के साथ ही जीवन को आनंद के साथ जीने की सीख मिलती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जापान यात्रा के तीसरे दिन गुरुवार को ओसाका में उद्योगपतियों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे।

जापान के उद्योगों के लिये मध्यप्रदेश में निवेश के हैं अच्छे अवसर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस, प्रचुर खनिज संसाधन, क्लीनेस्ट राज्य और देश के दूसरे बड़े शहरों से आवागमन के साधनों से अच्छी तरह कनेक्टेड है, साथ ही राज्य में उद्योग-मित्र नीतियां लागू की गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज डबल- डिजिट की विकास दर से आगे बढ़ रहा है। इसलिए, जापान की आधुनिकतम तकनीकों से संपन्न उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अच्छे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने ओसाका के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। अगर उद्योगपति बड़ा मन लेकर आते हैं तो हम उनके सपनों को पंख देने के लिये तत्पर हैं। उन्होंने सभी निवेशकों को भोपाल में 24-25 फरवरी को आयोजित होने जा रही गलोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

म.प्र. में कल्याण की भावना से होती है उद्यमिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीत 'अपने लिये जिये तो क्या जिये....' को उद्धृत करते हुए कहा कि उद्योगपित मात्र अपने व्यापारिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सैकड़ों लोगों के जीविकोपार्जन में सहयोग कर लोगों की समस्याओं का समाधान करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत के जीवन मूल्य एक जैसे ही हैं। हमारे यहां श्रमिकों के कल्याण की भावना के साथ उद्यमिता होती है।

जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान हर संकट और हर दौर में हमारे साथ खड़ा रहा है। इसलिए हमारे देश एवं प्रदेश में जिन जापानी उद्योग समूहों ने निवेश किया वह हमारे निकट मित्र बन कर आज भी हमारे साथ हैं। हम अपनी 25 से अधिक नीतियों के साथ निवेशकों को लाभ देने के लिए जापान के सभी उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि हम निवेश के इच्छुक उद्यमियों के लिए और भी नीतियां लागू कर सकते हैं, यहां तक कि उनकी निवेश लागत का 200 प्रतिशत तक वापस करने के लिए भी तैयार हैं।

विचार से अधिक आचरण हैं गांधी

इंदौर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्य तिथि पर नेशनल पीस मूवमेंट (एनपीएम) रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के सहयोग से शांति सम्मेलन का आयोजन जाल ऑडीटोरियम में किया गया।

उद्घाटन सत्र में प्रमख वक्ता के रूप में उपस्थित गांधीवादी पत्रकार व शिक्षाविद् डॉ अरूण कुमार त्रिपाठी 'बढ़ती आर्थिक असमानताओं के संदर्भ में शांति निर्माण' विषय पर बोलते हुए कहा, बापू के निधन पर सरोजनी नायडू ने कहा कि आमतौर पर लोग मृतात्मा की मुक्ति शांति के लिए प्रार्थना करते हैं परन्तु मैं प्रार्थना करती हूं कि आपकी आत्मा बेचैन और हमारे बीच रहे तथा हर युग में मार्गदर्शन दें। हमें शांति, सद्भावना, समानता के लिए प्रेरित रखे। उन्होंने आगे कहा कि गांधी असमानता के विरोधी थे।

शहर के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्र ने शांतिपूर्ण एवं स्थायी दुनिया के निर्माण हेतु सामाजिक और लैंगिक समावेशन में गांधीवादी दृष्टिकोण विषय पर बात की। उन्होंने कहा, गांधी विचार से अधिक आचरण हैं, जो कहते थे उसे अपने जीवन में उतारते थे। गांधी जीवन में समावेशी होने की बात करते हैं। वे निर्बल से निर्बल व्यक्ति के उत्थान की बात करते हैं।

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के गवर्नर रोटेरियन अनीश मलिक ने समग्र शांति को बढ़ावा देने में रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के योगदान पर प्रकाश डाला। सोनकच्छ के समाजसेवी सत्यनारायण लाठी ने भी महात्मा गांधी पर अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय शांति आंदोलन (एनपीएम) की मीडिया प्रभारी डॉ. निहार गीते ने बताया कि 225 लोगों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें सामाजिक कार्यकर्ता, हाई स्कूल के छात्र, शिक्षक, शहर के 5 रोटरी क्लबों के सदस्यों के अलावा नागदा, भोपाल और सोनकच्छ के रोटरी क्लबों के सदस्य शामिल थे। सम्मेलन में इंदौर के विभिन्न स्कूलों से 170 हाईस्कूल विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें से पांच विद्यार्थियों ने शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अपने रचनात्मक विचार साझा किए गए। केरलिया समाजम पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण एनपीएम की अध्यक्ष डॉ. संगीता जैन ने दिया। आभार डॉ रेणु सिंह ने माना तथा संचालन नीतू जोशी ने किया।

रीवा मार्ग से प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की सेवा में प्रशासन पूरी तत्परता से कार्यरत : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रयागराज में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने रीवा मार्ग से प्रयागराज जा रहे सभी श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की विनम्र अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन उनकी सेवा में पूरी तत्परता से कार्यरत है और हर संभव मदद प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जापान यात्रा के दौरान लगातार प्रशासन से संपर्क में हैं। प्रयागराज महाकुंभ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संदर्भ में उनसे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं को हर संभव सहायता और सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन एवं सामान्य जनों के सहयोग से व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन किया जा रहा है। प्रदेश सरकार इस स्थिति को लेकर पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है और महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की हर समस्या का समाधान करने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा है कि वे लगातार स्थानीय प्रशासन से सीधे संपर्क में हैं और स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं एवं सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

वीडी शर्मा ने मंडल अध्यक्षों को लिखा पत्र, याद दिलाई पंच निष्ठाएं

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी के संगठन पर्व-2024 के तहत प्रदेश के सभी निर्वाचित मंडल अध्यक्षों को पत्र लिखकर बधाई दी और अहम दायित्व को निभाने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने सभी मंडल अध्यक्षों को लिखे पत्र में कहा है कि पंच निष्ठाएं पार्टी के लिए सर्वोपरि है। सभी नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष इसे अपने राजनीतिक व्यवहार में उतारें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इस कारण सरकार और समाज के बीच सेतु के कार्य करने वाले आप सभी कार्यकर्ताओं की दोहरी भूमिका भी है। मंडल अध्यक्ष पार्टी की बहुत महत्वपूर्ण इकाई है और मंडल अध्यक्ष ही क्षेत्र में पार्टी का चेहरा होता है। सामूहिकता हमारी पार्टी की कार्यपद्धति की बड़ी विशेषता है। सबको साथ लेकर चलना, हर कार्यकर्ता को कार्य और हर कार्य के लिए कार्यकर्ता यह हमारे संगठन की शैली है। किसी परिवार, जाति या नेता से नहीं बल्कि पार्टी को सामूहिकता के भाव से आगे बढ़ाना है। आप सभी पूरी निष्ठा से संगठन के दायित्वों का निर्वहन करें और अपने कार्यकाल को सर्वश्रेष्ठ बनाएं। बूथ समिति की सक्रियता बहुआयामी हो रही है। मंडल अध्यक्ष के नाते हर बूथ तक व्यवस्थित और नियमित प्रवास हो। नई तकनीक के सहयोग से हमारे कार्य की प्रामाणिकता और व्यापकता बढ़ी है।

आर्ट ऑफ लिविंग टीचर बने राहुल माहेश्वरी, श्रीश्री रविशंकर से मिला आशीर्वाद

रायसेन। विश्व के 184 देशों में संचालित गैर सरकारी संगठन आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु शान्ति के अग्रदूत श्रीश्री रविशंकरजी के पावन सानिध्य में राहुल माहेश्वरी आर्ट ऑफ लिविंग टीचर बने एवं उनका आशीर्वाद मिला। श्री माहेश्वरी विगत कई वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग के योग-आध्यात्मिक आयोजनों से जुड़े रहे हैं। श्रीश्री ने विगत दिनों अपना आशीर्वाद देते हुये श्री माहेश्वरी को अपने बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इन्टरनेशनल सेन्टर पर टीचर्स ट्रेनिंग कोर्स संपूर्ण होने के पश्चात आशीर्वाद प्रदान किया। श्रीश्री ने कहा कि साधना-सेवा-सत्संग प्रत्येक योग शिक्षक के लिये आवश्यक है, सभी को इनसे जोड़कर अपने स्वयं व समाज को खुशहाल व स्वस्थ रखने के कार्य में जुट जायें। आप प्रसन्न व स्वस्थ्य रहेंगे तो पूरा समाज, देश भी प्रसन्न व स्वस्थ रहेगा। आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक राहुल माहेश्वरी ने अपने सभी वरिष्ठ शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुये कहा कि इन्हीं की प्रेरणा व प्रोत्साहन से वे इस पावन पथ पर आगे बढ़ सके हैं और गुरुदेव के बताये सदमार्ग पर चलने का संकल्प ले पाए। उन्होंने श्रीश्री व आर्ट ऑफ लिविंग इन्टरनेशनल सेन्टर बेंगलुरु के अनेकों अनुभव व संस्मरण साझा किये।

भ्रष्टाचार और अपराध का एक बड़ा माध्यम है शराब : रघु ठकुर

भोपाल। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर लोहिया सदन भोपाल में एक दिवसीय उपवास रखा गया उपवास प्रातः 10:00 बजे से गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णो जन तो तेरने कहिए ,पीर पराई जाने रे से आरंभ हुआ। इस अवसर पर समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर ने कहा कि समता ट्रस्ट प्रति वर्ष बापू के जन्म दिवस और पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम आयोजन करती है । ट्रस्ट के साथी बधाई के पात्र हैं जो आज के इस दौर में जब राष्ट्रपिता के खिलाफ तमाम प्रकार के झूठे दोषारोपण और तमाम प्रकार के घृणित से घृणित आरोप लगाये जा रहें हैं उनके साथ हैं। समता न्यास के मित्र न केवल बापू को याद करते हैं बल्कि उनके विचारों का प्रचार- प्रसार भी करते हैं। बापू हर नशा के खिलाफ थे और हर प्रकार के नशे को समाज से मिटाना चाहते थे ।वह मानते थे कि नशे का प्रभाव समाज के सभी हिस्सों पर पड़ता है परंतु महिलाएं और बच्चे सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। अब तो स्थिति और भी बदतर है । नशा समूचे समाज को बर्बाद कर रहा है । माफियाओं का तंत्र खड़ा कर रहा है ,अपराधियों के गिरोह बना रहा है और भ्रष्टाचार तथा -अपराध का एक बड़ा माध्यम नशा बन गया है । सरकारे आय के नाम पर शराब की दुकान गांव गांव में में पहुंचा रही है। जिन गांवों में पीने का पानी नहीं है ,पढ़ने को स्कूल नहीं है उन गांव में शराब की दुकान खुलरही हैं। शराब की साहूकारी गांव और गरीब को घातक बन गई है। शराब के धंधे में ग्रामीण

बच्चों को लगाया जाता है। वे गांव गांव में जाकर शराब बेचते हैं और शराब की होम डिलीवरी करते हैं और इसके परिणाम स्वरुप गांव के गांव शराबी बन गए हैं। बच्चों तक में शराब की लत लग रही है। स्कूल के बच्चे अपनी जेब खर्च के पैसे से शराब खरीद कर पीते हैं । राजनीति के भ्रष्टाचार का एक बड़ा माध्यम शराब उद्योग है। शराब के अलावा भी जितने भी प्रकार के नशे के पदार्थ ड्रग्स आदि विभिन्न नाम से बिक रहे हैं। शहर के छोटे-छोटे बच्चे कई प्रकार के नशे करते हैं और ड्रग्स न मिलने पर अपराधी बन जाते हैं। रोज अखबार में खबरें छप रही है कि किसी बेटे ने शराब के पैसे के लिए या शराब के नशे में माता-पिता की हत्या कर दी। महिलाओ पर अत्याचार होते हैं, परिवार टूट रहे हैं। नशा विशेष रूप से शराब चुनाव को प्रभावित करती है ।चुनाव में करोडो रुपए की शराब बांटी जाती है। मतदाता मदहोश होकर वोट देते हैं और शराब के नशे से बनी सरकार कैसी होगी यह सामने है ।

उन्होंने कहा कि अब संपूर्ण नशाबंदी की आवश्यकता है और समाज को जागृत होकर आगे आना होगा । इस अवसर पर मदन किशोर जैन, मकसूद भाई, इरशाद भाई पत्रकार, पूर्व पार्षद लालू भाई, अजय श्रीवास्तव , शशि यादव, करन मालिक, यश यादव, लक्ष्मीनारायण साहू, धर्मेंद्र राणा, कैलाश पंथी आदि सहभागी रहे। उपवास के समापन पर मंगलवार की रात्रि प्रयागराज कुंभ मेले में मौनी अमावस्या के समय भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर सभी लोगों ने 2 मिनट मौन रहकर शोक व्यक्त किया और श्रद्धांजलि अर्पित की ।

कांग्रेस ने माखनलाल वि.वि. के लोकपाल सुनरया के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की मांग की

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मंडल ने आज पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी से मुलाकात कर माखनलाल पत्रकारिता विश्वविद्यालय के लोकपाल ओमप्रकाश सुनरया द्वारा राहुल गांधी सहित तमाम कांग्रेस के नेताओं के विरूद्ध अनर्गल, अपशब्दों का उपयोग करने के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर वैद्यानिक कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से श्री चारी को बताया कि प्रदेश के प्रतिष्ठित पत्रकारिता महाविद्यालय माखन लाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में विशेष विचारधारा के व्यक्ति ओमप्रकाश सुनरया को लोकपाल के पद पर पदस्थ किया गया है, उनकी पदस्थी के तत्काल बाद से ही उनके द्वारा राजनीतिक द्वेषभावना से जहरीली एवं आपत्तिजनक टिप्पणियां सोशल मीडिया पर लगातार की जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी द्वारा संविधान की रक्षा करने के उद्देश्य से लगातार जागृति पैदा की जा रही है तथा उनके एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा जाति जनगणना की मांग की जा रही है। उक्त संबंध में ओमप्रकाश सुनरया द्वारा विगत 13 नवंबर 2024 को फेसबुक पर जातिगत गणना की परिभाषा के रूप में लिखा गया है कि जब बांटना होगा तब आपकी जाति पूंछी जायेगी, जब काटना होगा तो धर्म पूंछा जायेगा, यही है जाति जनगण। सुनरया द्वारा कांग्रेस नेताओंके फोटो के साथ वीडियो शेयर किया है, जिसमें सनातन के लिए पाप है कांग्रेस, राहुल गांधी जी के संबंध में अनर्गल टिप्पणी लिख गई। पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, श्रीमती सोनिया गांधी, दिग्विजयसिंह के चित्रों के साथ उन्हें गद्दार लिखा गया है, राहुल गांधी के चित्र के साथ आतंकवादी के चित्र प्रकाशित कर उनके प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन में बताया कि उक्त संबंध में एनएसयुआई के प्रभारी तनय शर्मा, अमन पठान द्वारा अपने साथियों के साथ संबंधित दस्तावेज संलग्न कर विश्व विद्यालय में संबंधित पुलिस थाना रातीबढ़ में शिकायत प्रेषित की गई, लेकिन शिकायत की पावती उपरांत आज तक माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के लोकपाल ओमप्रकाश सुनरया जो शुद्ध रूप से समाज में साम्प्रदायिकता का जहर घोल रहे हैं, कांग्रेस नेताओं को लगतार बदनाम करते हुये अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। श्री सुरया के विरूद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर न्यायिक कार्यवाही की जाये।

इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारीगण सर्वश्री गौरव रघुवंशी, जे.पी. धनोपिया, शैलेन्द्र पटेल, रवि सक्सेना, जितेन्द्र मिश्रा, राजकुमार सिंह, प्रवीण सक्सेना, अनोखीमानसिंह पटेल, विवेक त्रिपाठी, रवि परमार, अमन पठान, तनय शर्मा, अक्षय तोमर, रामराज तिवारी, विवेक त्रिपाठी, सुरेन्द्र तिवारी, सीताशरण सूर्यवंशी, सुहेद तिवारी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

एम्स भोपाल में हिंदी में लिखित मेडिकल पुस्तक का विमोचन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। इसी क्रम में, एम्स भोपाल के फिजियोलॉजी विभाग के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा और संत हृदाराम मेडिकल कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. ज्योति केसवानी द्वारा लिखित नई क्लिनिकल और फिजियोलॉजी आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। एसएलसी इंडिया पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का उद्देश्य प्रथम वर्ष के एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल छात्रों को चिकित्सा शिक्षा में भाषा के अंतर को पाटते हुए परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करना है। यह पुस्तक एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आई है, क्योंकि यह अब हिंदी में उपलब्ध है, जो पहली बार जटिल क्लिनिकल और शारीरिक अवधारणाओं को पाठकों के लिए सरल और सुलभ बना रही है। समावेशिता और प्रभावी शिक्षण के दृष्टिकोण से, पुस्तक में 81 विशिष्ट क्लिनिकल संरचनाओं, परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक शरीर-क्रिया विज्ञान आधारित प्रश्न और उत्तर शामिल हैं, जो छात्रों को व्यावहारिक समस्याओं को हल करने में सहायक होंगे। इस पुस्तक की प्रस्तावना और आमुख एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने लिखा है, जिसमें उन्होंने चिकित्सा शिक्षा को और अधिक समावेशी बनाने पर जोर दिया है। प्रो. सिंह ने पुस्तक के महत्व पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य चिकित्सा शिक्षा को और अधिक समावेशी और सुलभ बनाना है।

विश्व कुष्ठ दिवस पर एम्स भोपाल का जागरूकता और संवेदनशीलता अभियान

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक, प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान में विश्व कुष्ठ दिवस के अवसर पर जागरूकता फैलाने, कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक मिथकों को दूर करने और इस रोग से प्रभावित लोगों के साहस व संघर्ष का सम्मान करने के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल चिकित्सा जगत में कुष्ठ रोग के बारे में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना था, बल्कि समाज में इस बीमारी से संबंधित गलत धारणाओं को दूर कर लोगों में सहानुभूति व संवेदनशीलता को बढ़ावा देना भी था। इसके अलावा, 1 फरवरी को सतत चिकित्सा शिक्षा के तहत पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के लिए कुष्ठ रोग पर विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में विशेषज्ञों द्वारा इस बीमारी के विभिन्न पहलुओं, नए उपचार विकल्पों और रोग प्रबंधन के उन्नत तरीकों पर चर्चा की जाएगी, ताकि भावी चिकित्सकों को इस चुनौतीपूर्ण रोग से निपटने के लिए बेहतर रूप से तैयार किया जा सके।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने किया उनका पुण्य स्मरण

गांधी की हत्या करने वाले गोडसे का महिमा मंडित करने वाले, सत्ता में बैठे लोगों का तिरस्कार होना चाहिए : जीतू पटवारी

भोपाल। देश में आजादी की अलख जगाने देशवासियों में चेतना जागृत करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 77वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने आज विभिन्न स्थानों पर उनकी प्रतिमा एवं उनके चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनका पुण्य स्मरण किया और देश को एकता के सूत्र में पिरोने और सत्य, अहिंसा के रास्ते पर चलकर महान नेताओं के सहयोग से देश को आजादी दिलाने वाले महान सपूत के योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डाला।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रपिता की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते हुये उनका पुण्य स्मरण किया। उन्होंने कहा कि 77 वर्ष पूर्व एक ऐसे व्यक्ति के शरीर की हत्या की गई, जिन्होंने दुनिया में ऐसा विचार दिया जिसमें बिना हथियार से कैसे बड़ी से बड़ी जंग जीती जाती है और उसको कई देशों ने आत्मसात किया, कई यूनिवसिटीज में उनके विचारों और उनकी भावनाओं की शिक्षा आज भी दी जाती है।

श्री पटवारी ने कहा कि जो नफरत से भरे विचार हैं नफरत से भर लोग हैं, जो चाहे देश में हो चाहे दुनिया भर में, उनका तिरस्कार होना चाहिए और उनके खिलाफ कोई जंग होती है तो सत्य, अंहिसा से ही जीत सकते हैं। महात्मा गांधी के शरीर को गोली मार गई मारी गई, क्योंकि विचार तो कभी मरता नहीं। महात्मा गांधी की हत्या करने वाले व्यक्ति को महिमा मंडित करने वाले लोग आज सत्ता में काबिज है। गोडसे को महिमा मंडित करने वाले भारतीय जनता पार्टी के ही लोग हैं। गांधी जी की हत्या जरूर हुई पर उनके विचार अमर है। कांग्रेस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है उनके विचारों को अपने समर्पण के साथ देश के संविधान की रक्षा के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए।

श्री पटवारी ने कहा कि श्री राहुल गांधी जी जो विचार लेकर आए हैं, घर-घर जनगणना होना चाहिए, वह जातिगत जनगणना महात्मा गांधी के विचार से ही निकली हुई है। जब भी अराजकता के खिलाफ संघर्ष होगा तो गोली ही मिलेगी चाहे महात्मा गांधी हो, चाहे राजीव गांधी हो या देश में नफरत के खिलाफ लड़ने वाला कोई भी महान व्यक्ति हो। भाजपा के लोग पहले छुआछूत का समर्थन करते थे आज नफरत फैलाकर देश में वैमनस्य का माहौल फैलाने का काम कर रहे है। महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके विचार, सिद्धांत और उनके मार्गदर्शन को संकल्प के साथ अपने जीवन में उतारेंगे और महात्मा गांधी के विचार को जन-जन तक ले जायेंगे।

श्री पटवारी सहित अन्य कांग्रेसजनों ने कुभ मेले और मप्र के जेपी सीमेंट के प्लांट में हुये हादसे में लोगों की हुई दुखद मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की।

श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2025 संघर्ष-संगठन पर्व मनाने का जो संकल्प लिया है उसे आगे बढ़ाएं जिसमें संविधान की रक्षा का संकल्प लिया जाए। पूरे वर्ष एक-एक गांव, मोहल्ले के हर घर में कांग्रेस जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता, विचार विभाग के अध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जब भारत के एक गांव में एक-एक घरों में गांधी जी भ्रमण कर रहे थे, तब उन्होंने देशवासियों में सामानता नहीं देखी, तब उन्होंने यह सोचा कि भारत को ऐसा कौन व्यक्ति हैं जो सबको एक करेगा और जब उन्होंने देखा कि सबके घरों में भगवान राम की फोटो लगी है तब वे भारत में राम को लेकर आए। भगवान राम को उपासक के रूप में स्थापित करने वाले महात्मा गांधी थे, जिनकी आखिरी सांस भी राम के नाम पर ही निकली। लेकिन आज सत्ता में बैठे लोग राम के नाम की राजनीति पर अपना स्वार्थ साध रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांधी जी की हत्या के 7 बार प्रयास हुए और सातवें प्रयास के दौरान प्रार्थना सभा में गांधी जी की हत्या हुई। आज जो लोग गांधी जी के विचारों को भारत में नहीं मानते, वहीं लोग दूसरे देशों में जाकर सबसे पहले गांधी जी के चित्र पर माला चढ़ाते हैं, गांधी जी के विचारों को अभिव्यक्त करते हैं।

प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि भाजपा द्वारा कांग्रेस के महान नेताओं का चरित्र हनन करने का प्रयास किया जा रहा है। गांधी के बगैर भारत का भविष्य और वर्तमान सब अधूरा है, हम गांधी जी के विचारों को लेकर साथ चले तो हम इस भारत के प्रति न्याय कर सकेंगे।

श्री गुप्ता में कार्यक्रम के अंत में प्रतीक रूप में संविधान की उद्देशिका का वाचन कर सभी को संविधान की रक्षा का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी, कुंभ मेले एवं जे.पी. सीमेंट में मृतकों श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मोन रखा गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री प्रभारी संगठन डॉक्टर संजय कामले ने किया।

इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी सर्वश्री गोविंद गोयल, डॉ. महेंद्र जोशी, दीपचंद यादव, गौरव रघुवंशी अवनीश भार्गव, रवि सक्सेना, शैलेंद्र पटेल, प्रवीण सक्सेना, अनोखी मानसिंह पटेल, प्रदीप अहिरवार, सुश्री संगीता शर्मा, आनंद जाट, अभिनव बरोलिया, राजकुमार सिंह, जेपी धनोपिया, जितेंद्र मिश्रा, जयराज सिंह चौहान, विक्रम चौधरी, विजय सिरवैया, नरेश ज्ञानचंदानी, हैदरयार खान, चंद्रा सरवटे, गुड्डू चौहान, निहाल अहमद, मोइनुद्दीन सिद्दीकी, सीताराम यादव, प्रियंका किरार, फरहाना खान, जितेंद्र सिंह राजपूत, संजय मालवीय, रामराज तिवारी, संतराम दुबे, तनय अग्रवाल, मुकेश बंसल, दिनेश मेघानी, टी आर गहलोत, सीता शरण सूर्यवंशी, सैयद मुजफ्फर अली सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

॥ मंदिरम् ॥

25

नारायणपाल मंदिर, छत्तीसगढ़

नारायणपाल मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के नारायणपाल गांव में इंद्रावती और नारंगी नदियों के संगम के पास स्थित है। यह प्राचीन विष्णु मंदिर, जिसे नारायणपाल विष्णु मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, माना जाता है कि इसका निर्माण लगभग एक हजार साल पहले हुआ था और यह वास्तुकला की उत्कृष्टता का एक अद्भुत उदाहरण है। माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण राजा नागवंशी ने करवाया था। मंदिर पूर्व दिशा में स्थित अष्टकोणीय संरचना है जिसके शीर्ष पर सात रथ हैं। पुरातत्वविदों के अनुसार, यह मंदिर मूल रूप से शिव मंदिर था, इसलिए इसमें भगवान विष्णु की मूर्तियाँ स्थापित की गईं। नारायणपाल मंदिर, भारत के खजुराहो मंदिर के समकालीन, बस्तर जिले का एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमें भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित है।

सिस्मैक्स, म.प्र. में मेडिकल डायग्नोस्टिक उपकरणों की विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिये आमंत्रित है : मुख्यमंत्री

रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने का भी दिया सुझाव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान के कोबे स्थित सिस्मैक्स कारपोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का दौरा कर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी और जीवन विज्ञान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा की। सिस्मैक्स सॉल्यूशन वैश्विक डायग्नोस्टिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, उन्नत चिकित्सा अनुसंधान और हेल्थकेयर नवाचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स कोबे को मध्यप्रदेश में मेडिकल डायग्नोस्टिक उपकरणों की विनिर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव देकर आमंत्रित किया। उन्होंने सिस्मैक्स को प्रदेश में रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने का सुझाव भी दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स सॉल्यूशन सेंटर के निर्माण और अनुसंधान केन्द्र का दौरा कर कंपनी की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक का अवलोकन किया। उन्होंने सिस्मैक्स के अधिकारियों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में हेल्थकेयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार इस क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होकर सिस्मैक्स जैसी कंपनियों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स को मध्यप्रदेश में निवेश के लिये आमंत्रित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उज्जैन के समीप एक मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित कर रही है, जिसमें विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाएं और विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पहले से ही फार्मास्युटिकल सेक्टर में बेहतर स्थिति में है, जिससे मेडिकल डिवाइस उद्योग के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। पीथमपुर स्पेशल इकोनॉमिक झोन जिसमें लगभग 80 से ज्यादा

फार्मा इकाइयां स्थापित हैं। प्रदेश में 275 से अधिक फार्मा इकाइयां कार्यरत हैं और यहां से 160 से अधिक देशों को फार्मा उत्पादों का निर्यात किया जाता है। देश की टॉप 10 फार्मा कम्पनीज में से 6 की यूनिट मध्यप्रदेश में स्थापित हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स को आमंत्रित करते हुए कहा कि उज्जैन में स्थापित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। इस केंद्र में भारत के लिए नए और उन्नत मेडिकल उपकरणों पर अनुसंधान किया जा सकता है और जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों को प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं। राज्य सरकार नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे एआई-संचालित मेडिकल टेस्ट, डिजिटल हेल्थ सेवाएं और मोबाइल हेल्थ यूनिट जैसी सुविधाएं विकसित की जा सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश का देश के केन्द्र में स्थित होना निवेशकों के लिए फायदेमंद है। यहां से पूरे भारत में मेडिकल उपकरणों की सप्लाई आसानी से की जा सकती है और वैश्विक स्तर पर निर्यात को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेशकों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी, जिसमें बेहतर आधारभूत सुविधाएं, टैक्स में विशेष रियायतें और उद्योगों को अनुकूल माहौल उपलब्ध कराना शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सिस्मैक्स के अधिकारियों को आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आमंत्रण भी दिया और कहा कि इस मंच पर कंपनी को निवेश से जुड़ी विस्तृत जानकारी और संभावनाओं पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिस्मैक्स के प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों जैसे सांची का दौरा करने का निमंत्रण भी दिया, जिससे वे राज्य की समृद्ध विरासत और संभावनाओं को करीब से समझ सकें।

जाने जापान की सिस्मैक्स कंपनी को

सिस्मैक्स कॉर्पोरेशन का मुख्यालय जापान के कोबे शहर में है, सिस्मैक्स डायग्नोस्टिक सेक्टर में एक ग्लोबल लीडर कम्पनी है। वर्ष 1968 में स्थापित, कंपनी हेमेटोलॉजी, यूरिनलिसिस और जीवन विज्ञान निदान में विशिष्ट स्थान रखती है, जो रोग का पता लगाने और निगरानी के लिए उन्नत तकनीक प्रदान करती है।

सिस्मैक्स व्यक्तिगत चिकित्सा और एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधानों और नवाचारों में सबसे आगे है। करीब 190 से अधिक देशों में उपस्थिति के साथ, सिस्मैक्स अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत में क्षेत्रीय मुख्यालयों के माध्यम से स्थानीय समर्थन के साथ वैश्विक पहुंच को जोड़ता है। कंपनी स्थिरता, अपने संचालन और उत्पाद विकास में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल नवाचार में अपने योगदान के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सिस्मैक्स वैश्विक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है।

महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिये करें समुचित प्रबंध: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रयागराज में हुई भगदड़ को ध्यान में रखते हुए मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और रीवा संभाग के आयुक्त श्री बीएस जामोद से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा से महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित और प्रभावी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

कुंभ में एक दुखद घटना हुई, जिसमें कई श्रद्धालु काल के गाल में समा गये। परमात्मा उन सभी दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि प्रयागराज की दुर्घटना में मध्यप्रदेश के भी कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु की जानकारी मिली है। उन्होंने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान के इंडिया क्लब में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 77वीं पुण्यतिथि पर गुरूवार को कोबे (जापान) के इंडिया क्लब में गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने मध्यप्रदेश के औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता व्यक्त

की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान की सुदृढ़ औद्योगिक व्यवस्था और मध्यप्रदेश में निवेश को लेकर जापानियों द्वारा जताई गई गहरी रूचि का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गांधी जी का समुचा जीवन भारतीयों के लिये समर्पित था। बापू का जीवन दर्शन सत्य अहिंसा, प्रेम और सेवा पर आधारित था। उन्होंने हमेशा सत्य को सर्वोपरि रखा। गांधीजी के विचार और जीवन दर्शन न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बापू ने अफ्रीका से भारत तक सब के लिये एक आदर्श जीवन जिया और भारतीयों का सम्मान बढ़ाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर आजादी के लिये अंग्रेजों के साथ संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने सही कहा था कि दुनिया आश्चर्यचकित रह जाएगी कि एक दुबला-पतला व्यक्ति, जिसका विराट व्यक्तित्व और मनोबल हिमालय की चट्टान से भी ऊपर था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूज्य बापू का जीवन हम सबके लिये सदैव आदर्श के रूप में विद्यमान रहेगा। उन्होंने सत्य एवं अहिंसा के मार्ग चलने की प्रेरणा दी। उनकी पुण्यतिथि पर हम उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहे है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के परिणाम बेहतर साबित होंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जापान यात्रा, म.प्र.के संदर्भ में होगी मील का पत्थर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश लाने और विशेष रूप से युवाओं के लिये रोजगार के अवसरों के सृजन लिये जापान की यात्रा पर आया हूँ। मुझे संतोष है कि जापान का रूझान अन्य देशों के साथ भारत की ओर भी बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर उन्नति कर रहा है। ऐसे में सभी राज्य अपने यहां औद्योगिक निवेश को बढ़ाये, जिससे जीडीपी में वृद्धि हो और युवाओं के लिये अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान, आर्थिक रूप से समृद्ध देश है, जो उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि यहां के लोग अनुशासित जीवन जीते है, जिससे अनेक संभावनाएँ जन्म लेती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जापान की यह यात्रा भारत, विशेष रूप से मध्यप्रदेश के संदर्भ में मील का पत्थर साबित होगी। मुझे विश्वास है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के परिणाम बेहतर साबित होंगे और म.प्र. आर्थिक रूप से समृद्धि की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा।

जेके सीमेंट प्लांट हादसा, 4 मौत, 15 घायल

पन्ना में निर्माणाधीन छत का स्लैब गिरा; 100 से ज्यादा मजदूर मौजूद थे

पन्ना (नप्र)। पन्ना में स्थित जेके सीमेंट प्लांट में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में निर्माणाधीन हिस्से में छत की स्लैब डाली जा रही थी, जहां सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भाड़ा (स्कैफोल्डिंग) गिर गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए।

मौके पर पहुंचे कमिश्नर वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि घटना में 4 लोगों की मौत हुई है। इनके शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे गये हैं। रावत ने 15 मजदूर घायल होने की पुष्टि भी की है। डीआईजी ललित शाक्यवार ने बताया कि चार मृतकों में तीन बिहार के रहने वाले हैं और एक पन्ना जिले के सिमरिया का रहने वाला है।

हादसे में इनकी गई जान

अंसार आलम (उम्र 34 वर्ष) निवासी पूर्णिया बिहार
मसूद (उम्र 36 वर्ष) पिता नसरूदीन, निवासी पूर्णिया बिहार
रोहित खरे (उम्र 32 वर्ष), निवासी सिमरिया पन्ना
मुस्फिर (उम्र 36 वर्ष), निवासी पूर्णिया बिहार

मृतकों को 18-18 लाख रुपए देगा प्लांट प्रबंधन

प्लांट का दौरा कर लौटे अधिकारियों ने बताया कि मृतकों को प्लांट प्रबंधन की तरफ से 18-18 लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को एक-एक लाख रुपए दिए जाएंगे। साथ ही कटनी के अस्पताल में सभी का इलाज किया जा रहा है। जब तक घायल मजदूर पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हो जाते तब तक प्रबंधन की तरफ से इलाज करवाया जाएगा। सभी को पूरी सैलरी भी दी जाएगी।

प्रथम दृष्टया कारण के विषय में उन्होंने बताया कि बिल्डिंग की सेविंग फ्लोर की बीम से सैटरिंग गिरी थी। जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है। प्रशासन की तरफ से जांच टीम बनाई गई है। जो यहां पर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जो दोषी पाया जाएगा, उस पर पर कार्रवाई की जाएगी।

कुछ घायलों को कटनी जिला अस्पताल लाया गया- एएसपी आरती सिंह ने बताया कि राहत बचाव कार्य किया जा रहा है। कई घायल मजदूरों को नजदीकी कटनी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, मलबे में दबे कई मजदूरों को निकालने की कोशिश की जा रही है। हादसे में तीन घंटे बाद भी प्रशासन और प्रबंधन की तरफ से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी जा रही है। प्लांट का मेन गेट बंद कर दिया गया है।

प्लांट के अंदर केवल प्रशासन और कर्मचारियों के साथ-साथ एसडीआरएफ की टीम है। पन्ना एसपी साईं कृष्ण एस थोटा ने बताया, पुलिस बल और एसडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है।

प्लांट में 100 से ज्यादा मजदूर कर रहे थे काम- प्लांट के अंदर से मिली जानकारी के अनुसार, निर्माणाधीन बिल्डिंग पांच मंजिला है। इस सेक्टर में करीब 100 से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। ये सभी यूपी, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश के जिलों के रहने वाले हैं। अभी पांचवी मंजिल का रेस्क्यू पूरा हो गया है। एसडीआरएफ की टीम एक-एक कर सभी मंजिलों का रेस्क्यू कर रही है। अंदर के पांचों गेट बंद कर दिए गए हैं। घटना के करीब 4 घंटे बाद भी प्लांट प्रबंधन ने कोई जानकारी नहीं दी है।

पन्ना हादसे पर खजुराहो सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा, घटना के विषय में जिला प्रशासन से बात की गई है। हादसे में तत्काल सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। घायलों को समुचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को व्यवस्था करने को कहा गया है।

3 से 4 लोग ऊपर की मंजिल पर सरिया में फंसे थे

प्रत्यक्षदर्शी रामेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि, मैं सुबह साढ़े 8 बजे ड्यूटी आया था। मैं सीसीआर लैब में सैंपल बॉय के रूप में काम करता हूं। मुझे सुबह 10.30 बजे लैब के अंदर आवाज आई। हम लोग बाहर निकले तो देखा हादसा हो गया था। 3 से 4 लोग ऊपर की मंजिल में सरिया में फंसे थे, उनकी मौत हो गई थी। वहां से सुपरवाइजर और कंपनी के मेंबर ने हम लोगों को प्लांट के बाहर कर दिया है, वहां डेडबॉडी का पता नहीं चल पाया है। हम लोग प्लांट के बाहर खड़े हैं।

रामेंद्र ने बताया कि हम लोगों को अब अंदर जाने नहीं दिया जा रहा है। मेरा साथी जो कुम्हारी से है, जिसे हम लोग जानते थे। उसका नाम रोहित खरे है। उसकी मौत हो गई है। डेडबॉडी नहीं मिली है। मैंने देखा 10-15 लोग नीचे घायल पड़े थे, जबकि 3-4 लोगों की मौत हो गई थी, जो छत पर लटके थे। 30-35 लोग घायल है।

छिंदवाड़ा में सिवनी सीएमओ के घर ईओडब्ल्यू का छापा

सिवनी-बालाघाट के आवास पर भी सर्चिंग; 4 कारें, 3 दुकानें और एक मकान नाम पर मिला

छिंदवाड़ा (नप्र)। सिवनी नगर पालिका की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीएमओ) और बालाघाट की प्रभारी दिशा डेहरिया के नागपुर रोड स्थित आवास पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने गुरुवार सुबह छापा मारा। टीम छिंदवाड़ा के अलावा उनके सिवनी और बालाघाट स्थित घर पर भी पहुंची।

10 घंटे की सर्चिंग के बाद ईओडब्ल्यू को छिंदवाड़ा में दिशा डेहरिया के नाम से 4 कार, 3 दुकानें और एक मकान मिला है। हालांकि अब तक इनकी अनुमानित कीमत के बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। ईओडब्ल्यू की सर्चिंग अब भी हो रही है।

सुबह 6.30 बजे पहुंची थी टीम- आय से अधिक संपत्ति की शिकायत के बाद जबलपुर ईओडब्ल्यू की टीम ने सुबह 6:30 बजे पुलिस बल के साथ दबिश देकर जांच शुरू की। सुरक्षा कारणों से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित मकान के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया। किसी को भी परिसर में घुसने नहीं दिया गया।

एक साथ 12 टीम सर्चिंग कर रहीं- ईओडब्ल्यू की 12 सदस्यीय टीम सर्चिंग कर रही हैं, इंवेस्टिगेश को डीएसपी स्वर्णजीत सिंह धामी लीड कर रहे हैं। फिलहाल पीडब्ल्यूडी के सहयोग से प्रॉपर्टी का वेल्युएशन हो रहा है। वहीं दूसरी टीम दिशा डेहरिया को सिवनी से लेकर वारासिवनी (बालाघाट) के लिए रवाना हुई है।

चांद-हर्राई में भी रह चुकीं सीएमओ - जानकारी के अनुसार, दिशा डेहरिया पहले चांद और हर्राई में भी सीएमओ रह चुकी हैं। आज जब ईओडब्ल्यू की टीम दिशा डेहरिया के पिताजी को लेकर विवेकानंद कॉलोनी स्थित बंगले पहुंची, लेकिन बंगले की चाबी नहीं मिल पाई। ईओडब्ल्यू टीम डेहरिया के नगर स्थित गारमेंट्स की दुकान में सर्चिंग कर रही है। छापेमारी की खबर से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। ईओडब्ल्यू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच हो रही है और जल्द ही विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

पीसीसी अध्यक्ष की कार को ट्रक ने मारी टक्कर

भोपाल-इंदौर हाईवे पर वाहन क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे पटवारी; कांग्रेस नेताओं ने बताया सुरक्षा में चूक

सीहोर (नप्र)। गुरुवार को भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी की कार को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा फंदा टोल टैक्स के पास सुबह करीब 10:45 बजे हुआ, जिसमें उनका वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में जीतू पटवारी सुरक्षित हैं। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में कांग्रेस नेताओं ने ट्विट कर इसे पटवारी की सुरक्षा में चूक बताया है।

फंदा टोल के पास हादसा, वाहन क्षतिग्रस्त- जानकारी के अनुसार, घटना के समय पूर्व मंत्री पटवारी अपनी कार से शहीद दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल जा रहे थे। हादसे की सूचना तुरंत जिला कांग्रेस को दी गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वे तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गए थे।

यह हादसा लसूलिया के निकट फंदा टोल के पास हुई। स्थानीय पुलिस और प्रशासन को घटना की सूचना दे दी गई है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद पटवारी दूसरे वाहन से भोपाल के लिए रवाना हो गए।

वन वे मार्ग पर पीछे से टकराया ट्रक- सीहोर कोतवाली प्रभारी रविंद्र यादव ने बताया कि घटना

की सूचना मिली है। आरंभिक जानकारी के अनुसार भोपाल-इंदौर रोड पर टोल टैक्स के पास एक तरफ सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है, इसलिए रोड वन वे था।

इस दौरान जीतू पटवारी की गाड़ी को पीछे से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें चोट नहीं आई है। कोतवाली टीआई ने बताया कि मामले में घटना स्थल खजूरी थाना क्षेत्र है, इसलिए मामले में जांच वहां की पुलिस कर रही है।

खजूरी टीआई नीरज वर्मा ने बताया- ट्रक चालक ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की फॉर्च्यूनर कार में पीछे से टक्कर मारी थी। मामले में मोटर व्हीकल एक्ट 185 और बीएनएस की धारा 281 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। ट्रक चालक विमल मीना को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने किया ट्विट- हादसे के बाद प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने ट्विट कर इसे पटवारी की सुरक्षा में चूक बताया। कालापीपल के पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने एक्स पर ट्विट करते हुए लिखा-इंदौर-भोपाल हाईवे पर फंदा टोल के पास कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के वाहन को ट्रक ने टक्कर मार दी ! प्रदेश अध्यक्ष जी और उनका स्टाफ सुरक्षित है!

मोहन सरकार लगातार श्री पटवारी जी की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रही है! उनकी सुरक्षा से किया जा रहा खिलवाड़ अनुचित है! सरकार को तत्काल उचित सुरक्षा व्यवस्था और अन्य साधन प्रदान करने चाहिए।